सी-डॉट
C-DOT

आर्किटेक्टिंग डिजिटल इंडिया

वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स
(सीएमएमआई स्तर 5 संगठन)

हमारा लक्ष्य

सीं–डॉट को एक विश्व स्तरीय दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र बनाना।

हमारा मिशन

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां, उत्पाद और समाधान डिजाइन और विकसित करना।
भारत की, विशेषकर सामरिक और ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय महत्व की दूरसंचार आवश्यकताओं को पूरा करना।

सी-डॉट
C-DOT

विषय सूची

01 सी–डॉट प्रबंधन

सिंहावलोकन 02

03 वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान उपलब्धियां एवं गतिविधियां

संगठनात्मक प्रक्रियाएं एवं पद्धतियां 08

09 बौद्धिक संपदा अधिकार और प्रकाशन

ज्ञान प्रबंधन 13

16 व्यवसाय संवर्धन

प्रौद्योगिकी हस्तातंरण 17

18 विविध आयोजन 2017–18

मानव संसाधन पहल 28

29 स्वच्छ भारत अभियान

सी–डॉट में हिंदी को प्रोत्साहन 30

33 सतर्कता जागरूकता पहल

लेखाओं का विवरण 2017–18 34

सी–डॉट प्रबंधन मंडल

शासी परिषद

अध्यक्ष

संचार मंत्री

उपाध्यक्ष

संचार राज्य मंत्री

सदस्य

रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार

अध्यक्ष, डिजिटल संचार आयोग एवं सचिव दूरसंचार विभाग

सदस्य प्रौद्योगिकी, डिजिटल संचार आयोग

सदस्य (वित्त), डिजिटल संचार आयोग

सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारत संचार निगम लिमिटेड

कार्यकारी निदेशक, सी–डॉट

निदेशकगण, सी–डॉट

संचालन समिति

अध्यक्ष

अध्यक्ष, डिजिटल संचार आयोग एवं सचिव, दूरसंचार विभाग

उपाध्यक्ष

सदस्य प्रौद्योगिकी, डिजिटल संचार आयोग

सदस्य

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आईटीआई लिमिटेड

निदेशक (योजना), बीएसएनएल

वरिष्ठ उप–महानिदेशक, दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र

उप–महानिदेशक (टीपीएफ), दूरसंचार विभाग

वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

कार्यकारी निदेशक, सी–डॉट

निदेशकगण, सी–डॉट

परियोजना बोर्ड

अध्यक्ष

कार्यकारी निदेशक, सी–डॉट

सदस्य

निदेशकगण, सी–डॉट

सिंहावलोकन

सेंटर फॉर डेवलेपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स, सी-डॉट, की स्थापना 1984 में संचार मंत्रालय, भारत सरकार के दूरसंचार विभाग में एक स्वायत्त अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में की गई थी। इसे सामान्यत: राष्ट्र में स्वदेशी दूरसंचार क्रांति का सूत्रपात करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विख्यात है।

अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं वाली विश्वस्तरीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं और देश के शीर्ष संस्थानों के प्रतिभाशाली इंजीनियरों के विशाल समूह से लैस सी-डॉट, हमारे विविधताओं से भरपूर राष्ट्र की कनेक्टिविटी से संबंधित विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति करने की दिशा में लक्षित अनुसंधान पहलों के माध्यम से देश के विकास से संबंधित अति महत्वपूर्ण उद्देश्यों को पूर्ण करने के प्रति संकल्पबद्ध रहा है। सी-डॉट की प्रौद्योगिकियों का लक्ष्य राष्ट्र की ब्रॉडबैंड अवसंरचना को बढ़ावा देना और ग्रामीण, सुरक्षा एवं सामरिक अनुप्रयोगों से संबंधित विशिष्ट आवश्कताओं की पूर्ति करना है। सी-डॉट के वैविध्यपूर्ण उत्पादों की रेंज व्यापक प्रौद्योगिकियों का संग्रह है, जिनमें स्विचिंग और राउटिंग, ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, वायरलेस कम्युनिकेशन, नेटवर्क सिक्योरिटी, एम2एम / आईओटी, 5जी, नेटवर्क प्रबंधन और अन्य दूरसंचार सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों का समूह शमिल है, जो दूरसंचार के विस्तृत जगत के अनछुए आयामों को प्राप्त करने की उसकी अदम्य इच्छा को दर्शाता है।

देश के कोने-कोने तक कनेक्टिविटी पहुंचाने की सी-डॉट की उत्साहपूर्ण तत्परता को सामान्यतया रैक्स और मैक्स के नाम से पुकारे जाने वाले स्वदेशी तौर पर विकसित एक्सचेंज का समर्थन प्राप्त है, जो अब तक लगातार अपने अपग्रेड्स के माध्यम से ग्रामीण नेटवर्क को आगे बढ़ा रहे हैं, ताकि आईपी-आधारित नवीनतम सेवाओं का प्रावधान आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य और कुशल रूप से किया जा सके।

सी-डॉट का जीपॉन (गिगाबिट पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क) समाधान देश की 2.5 लाख पंचायतों को हाई स्पीड ब्रॉडबैंड के साथ जोड़ने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रव्यापी ऑप्टिकल फाइबर बेस्ड नेटवर्क भारतनेट के आधार को मजबूती प्रदान कर रहा है और इस प्रकार माननीय प्रधानमंत्री के ''डिज़िटल सशक्तिकरण'' के स्वप्न को साकार कर रहा है। सी-डॉट द्वारा स्वदेशी तौर पर डिजाइन और निर्मित टेराबिट राउटर स्विचिंग और राउटिंग के क्षेत्र में हमारी योग्यता का प्रमाण है, जिसमें हमारे स्विचिंज, गेटवेज़ और अन्य नेटवर्क इकाइयां द्वारा भारत सरकार की हाल की पहलों यथा ''स्मार्ट सिटीज'' और ''डिजिटल इंडिया'' में उत्तरोत्तर रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाए जाने की संभावना है। सी-डॉट जीपॉन को नवीनतम उत्पाद / सेवा श्रेणी में गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2018 (इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स नई दिल्ली द्वारा स्थापित) से भी सम्मानित किया गया।

सी-डॉट का बीबीडब्ल्यूटी (ब्रॉडबैंड वायरलेस टर्मिनल) बिजली की कमी वाले क्षेत्रों में ऊर्जा के हरित स्रोतों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत के सबसे दुर्गम और दुरुह इलाकों तक वायरलेस कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है।

''डिजिटल साक्षरता'' को बढ़ावा देने के प्रति सी-डॉट का अदम्य दृढ़निश्चय उसके विलक्षण नवोन्मेश ज्ञानसेतु से परिलक्षित होता है, जो इंटरनेट के लाभ, दिव्यांगों सहित भारत के निरक्षर लोगों तक सुगम और सुविधाजनक रूप से पहुंचाने और इस प्रकार सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने में सक्षम है। इस नवीनतम समाधान को आईटीयू टेलीकॉम वर्ल्ड, 2015, बुडापेस्ट, हंगरी में अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से नवाजा गया।

सी-डॉट को एक एम2एम इनिशिएटिव का सदस्य होने का गौरव प्राप्त है, जिसके द्वारा उसके एम2एम और आईओटी अनुप्रयोगों ने वैश्विक मंच पर अपनी इंटरऑपरेबिलिटी साबित की है। सी-डॉट को 2016 में ''टॉप ऑर्गेनाइजेशन / इंस्टीट्यूशन फॉर पेटेंट्स'' श्रेणी में नेशनल इंटलेक्चुअल प्रापर्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सी-डॉट, आज नवीनतम स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकियों और नवोन्मेशी समाधानों के लिए एकल स्थल के रूप में उभरा है और इस प्रकार स्वदेशी विनिर्माण के वाहकों को अपने टीओटी (प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण) मॉडल के आधार पर बढ़ावा दे रहा है। सी-डॉट प्रमुख मिशन ''मेक इन इंडिया'' के अंतर्गत परिकल्पित स्वदेशी विनिर्माण व्यवस्था के विकास में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को भी तत्पर है।

सी-डॉट, आज नवीनतम स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकियों और नवोन्मेशी समाधानों के लिए एकल स्थल के रूप में उभरा है और इस प्रकार स्वदेशी विनिर्माण के वाहकों को अपने टीओटी (प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण) मॉडल के आधार पर बढ़ावा दे रहा है। सी-डॉट प्रमुख मिशन ''मेक इन इंडिया'' के अंतर्गत परिकल्पित स्वदेशी विनिर्माण व्यवस्था के विकास में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को भी तत्पर है।

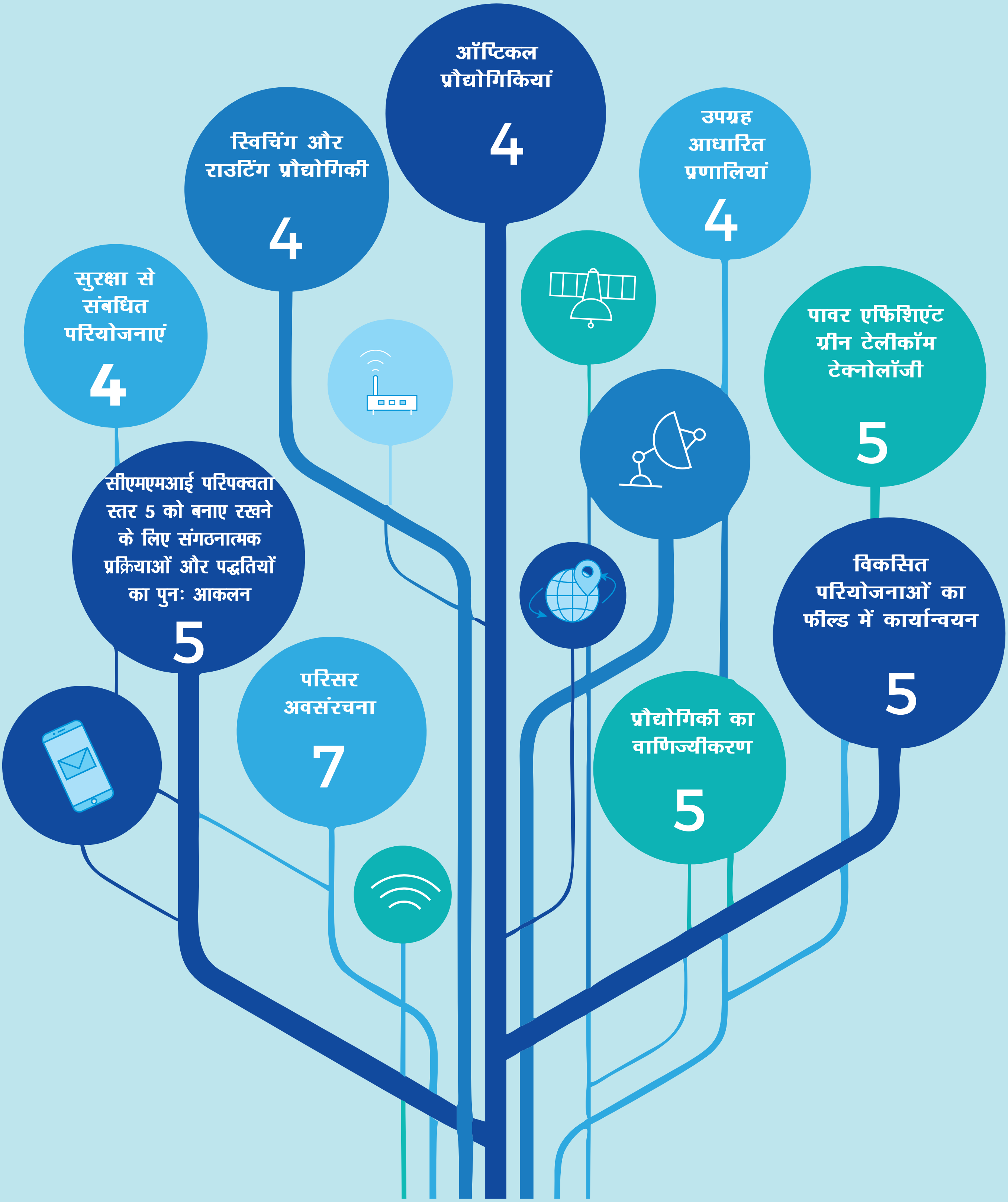

वित्त वर्ष 2017–2018 के दौरान उपलब्धियां और गतिविधियां

वित्त वर्ष 2017–2018 के दौरान उपलब्धियां और गतिविधियां

वित्त वर्ष 2017-2018 के विविध प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों में हुई प्रगति का उल्लेख निम्नलिखित खंडों में किया गया है :

सुरक्षा से संबंधित परियोजनाएं

- **वैधानिक इंटरसेप्शन और निगरानी के लिए सीएमएस:** सीएमएस परियोजना व्यवहारिक रूप से पूर्ण हो चुकी है और उसके उपकरण 21 एलएसए में उपलब्ध कराए जा चुके हैं और ऑनबोर्ड सीएमएस सहित 12 एलईए में उनका प्रचालन प्रारंभ हो चुका है और 36 एलईए सीएमएस को ऑनबोर्ड करने की प्रक्रिया में हैं।

- **एआईएमएस:** क्लस्टर-अवेयर एलईएम अनुप्रयोगों, लगभग वास्तविक समय में वीओआईपी कॉल प्रस्तुति, यूनिफाइड मीडिया प्लेयर और आईएम द्वारा आईआरआई विश्लेषण उपलब्ध कराने, एलईए के लिए सीडीआर विश्लेषण आदि से संबंधित विकास कार्य पूर्ण हो चुका है। 3 एलईए स्थानों पर आईआरआई चालू हो चुका है। एआईएमएस समाधान तैयार है और फील्ड में तैनाती के लिए उपलब्ध है।

- **एसडीसीएन:** यह समाधान एमटीएनएल दिल्ली नेटवर्क में चालू किए जाने के लिए तैयार है। आवश्यक सीपीई में से 1393 एमटीएनएल को उपलब्ध कराए जा चुके हैं। एमटीएनएल द्वारा निर्धारित स्थलों पर सीपीई संस्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। पीएमओ, पीएमएच और राष्ट्रपति भवन में पहले से मौजूद प्रणालियों के साथ इंटरफेसिंग के लिए गेटवे इंस्टालेशन्स का कार्य प्रगति पर है। एसडीसीएन नेटवर्क को जून 2018 तक प्रचालन के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

- **आईएसपी निगरानी:** इस समाधान को फील्ड में लगाया जा रहा है। आईएसपी गेटवे हार्डवेयर संस्थापित करने का कार्य 14 स्थानों पूरा किया जा चुका है और उन्हें एलईए को सौंपा जा चुका है। उत्तरोत्तर रूप से, आईएसपी निगरानी समाधान देश भर में 120 स्थानों पर संस्थापित किया जा चुका है और चालू हो चुका है। प्रचालन और सहायता के लिए पीसीआई को आईएमएस अवसंरचना सौंपने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है और डीओटी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। एलईए के लिए भी आईएमएस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

- **वैधानिक इंटरसेप्शन के लिए सीओई:** सीओई कार्यक्रम उन्नत प्रौद्योगिकियों यथा ओएसआईएनटी, इमेज प्रोसेसिंग आदि के विकास के माध्यम से एलईए की इंटरसेप्शन से संबंधित नई जरूरतों को पूरा करता है। ट्विटर, फेसबुक आदि जैसी सोशल वेबसाइट्स के विश्लेषण के साधन हैडूप-आधारित सर्च इंजन का विधिमान्यन किया जा रहा है। मध्य प्रदेश पुलिस, गुप्तचर ब्यूरो और भारतीय वायु सेना के लिए वॉयस कॉल तथा चैट एप्लीकेशन्स के लिए एंडॉयड आधारित व्हॉट्स-एप जैसे मोबाइल एप, संवाद, के लिए प्रायोगिक परीक्षण पूरा किया जा चुका है। संवाद का प्रायोगिक परीक्षण दूरसंचार विभाग, एनडीएमए, एनआईसी, गृह मंत्रालय और सीएमएस उपयोगकर्ताओं के लिए भी किया जा रहा है। इमेज और वीडियो विश्लेषणों के लिए विकास कार्य प्रगति पर है, जबकि नियंत्रित वातावरण में चेहरे का पता लगाने यानी फेस डिटेक्शन और चेहरे की पहचान करने यानी फेस रेकॉग्नीशन करने की प्रणालियों का विकास कार्य पूरा हो चुका है और उनका वैधीकरण किया जा रहा है।

ऑप्टिकल प्रौद्योगिकियां

- **ओसीएन:** चेन्नई में बीएसएनएल के नेटवर्क के लिए लॉन्ग हॉल अनुप्रयोग के लिए डीडब्ल्यूडीएम-आधारित 100 जीबीपीएस ओटीएन सिस्टम हेतु प्रायोगिक परीक्षण प्रारंभ किया जा चुका है, ताकि लाइन / डब्ल्यूडीएम साइड पर 100 जीबीपीएस प्रति चैनल डाटा रेट की सहायता की जा सके। वैधीकरण के लिए इस सिस्टम को टीईसी को पेश किया जाना योजना में शामिल है। 1.6 टीबीपीएस की क्रॉस-कनेक्ट क्षमतायुक्त ओटीएन स्विच के लिए भी विकास कार्य प्रगति पर है।

स्विचिंग और राउटिंग प्रौद्योगिकी

- **हाई स्पीड राउटिंग सिस्टम:** 40 जीबीपीएस इंटरफेस से आरंभ करते हुए उत्तरोत्तर रूप से उसे 100जीबीपीएस तक उन्नत बनाने का परीक्षण शुरू करने का प्रस्ताव एमटीएनएल को भेजा गया है।

- **एलएएन और एमएएन उद्यम और डेटा सेंटर खण्ड:** 24-पोर्ट के लिए एल3 स्विच लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। 48 पोर्ट के लिए एकीकृत एल2 / एल3 स्विच के लिए संरचनात्मक डिजाइन तैयार किया जा चुका है। मध्यम क्षमता वाले टीओआर स्विच के लिए विकास कार्य प्रगति पर है।

- **डीआरडीओ-अनुराग के लिए कस्टमाइज्ड राउटर:** ऑफ-द-शेल्फ मल्टीकोर प्रोसेसर आधारित राउटर डेवलपमेंट में पीसीबी फेब्रिकेशन के साथ महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और असेम्बली जारी है। राउटर सॉफ्टवेयर को कस्टमाइज्ड और पोर्ट किया जा चुका है तथा मानक मल्टीकोर प्रोसेसर रेफरेंस प्लेटफॉर्म पर पूरी तरह एकीकृत किया जा चुका है।

उपग्रह आधारित प्रणालियां

- **डील (डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन लेबारेट्री) के लिए सेटेलाइट हब बेसबैंड सिस्टम:** मल्टीपल कार्ड्स की असेम्बली के साथ कैरियर ग्रेड हब बेसबैंड सिस्टम (चरण-2) को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। कार्ड्स का स्वचलित परीक्षण जारी है। चरण-1 के अंतर्गत ग्राहक को प्रदान किया गया सेटेलाइट हब बेसबैंड सबसिस्टम (बहुतायत के बिना) भी सेटेलाइट और डील टर्मिनल्स के साथ एकीकृत किया गया है।

पावर एफिशिएंट ग्रीन टेलीकॉम टेक्नोलॉजी

- **उच्च क्षमता वाली सौर विद्युत आपूर्ति प्रणाली:** 75 वॉट और 125 वॉट प्रणालियों के लिए फील्ड परीक्षण और प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण सम्पन्न किया जा चुका है। मॉड्यूलर 5000 वॉट प्रणाली के लिए विकास कार्य पूरा किया जा चुका है और परीक्षण का कार्य प्रगति पर है।

दूरसंचार सेवाएं और अनुप्रयोग

- **एम2एम संचार:** सीएसएफ के साथ एम2एम सिस्टम नॉड्स (एडीएन, एएसएन, आईएन और एमएन सहित) के वैधीकरण का कार्य प्रगति पर है। अनुप्रयोगों सहित एम2एम नेटवर्क के लिए विस्तारित प्रयोगशाला परीक्षण भी प्रारंभ हो चुका है।

- **सीआईएसटीबी:** मुम्बई में आईएमसीएल केबल नेटवर्क में केबल खण्ड के लिए सीआईएसटीबी का फील्ड परीक्षण का कार्य जारी है और डीटीएच हाईब्रिड एसटीबी का वैधीकरण किया जा रहा है। अंत: प्रचालनीय एसटीबी फ्रेमवर्क का ट्राई और विशेषज्ञों के पैनल के समक्ष प्रदर्शन किया गया है। इसके आधार पर, ट्राई ने उद्योग जगत के पणधारकों को साथ जोड़ते हुए केबल खण्ड के लिए सी-डॉट सीएएस सहित सी-डॉट समाधान संरचना पर आधारित एक प्रायोगिक परियोजना प्रारंभ की है।

विकसित परियोजनाओं का फील्ड में कार्यान्वयन

- **एनजीएन:** वीओआईपी (वॉयस ओवर आईपी)- आधारित पैकेट स्विचिंग प्रौद्योगिकी को बीएसएनएल नेटवर्क में फील्ड में लगाया जा रहा है ताकि मौजूदा सी-डॉट मैक्स स्विचिंग को सर्किट स्विचिंग से पैकेट स्विचिंग प्रौद्योगिकी में परिवर्तित किया जा सके। कुल 48 स्थानों में से 14 स्थानों पर परिवर्तन का कार्य पूरा हो चुका है (सी-डॉट 24 सर्कलों में से प्रत्येक के लिए परिवर्तन का कार्य 2 एक्सचेंज में सम्पन्न करेगा)। एनओसी (मेन तथा डीआर) और एटी के लिए उपकरण संस्थापना का कार्य भी पूरा हो चुका है।

- **जीपॉन प्रौद्योगिकी:** अगली पीढ़ी के पॉन यथा डब्ल्यूडैन (डब्ल्यूडीएम आधारित) और एक्सजी-पॉन (टीडीएमए आधारित) पूर्ण हो चुके हैं। जीपॉन के भिन्न रूपों के लिए प्रायोगिक परीक्षण पूरा हो चुका है-यथा 'डाइंग गैस्प' विशेषता युक्त तितली ओएनटी, जो सरकारी संस्थाओं को जोड़ने के लिए ग्रामपंचायतों से भी परे एफटीटीएच सेवाएं प्रदान करने में सहायक एक लघु आकार का ओएनटी है, एनओएफएन के जरिए अलग-अलग घरों को सेवाएं प्रदान करता है, आदि और वर्तमान ओएनटी में मौजूदा विशेषताओं के अतिरिक्त आरएफ सहायता युक्त एक नया ओएनटी है। कम बिजली की आवश्यकता वाले छोटे उपयोगकर्ताओं के खण्ड के आधार को सहायता प्रदान करने के लिए 4-पोर्ट ऑफिस ओएलटी के लिए वैधीकरण का कार्य प्रगति पर है।

- **एनएमएस:** एनओएफएन की पूर्णतया निगरानी और प्रबंधन के लिए कस्टमाइज्ड एनओएफएन एनएमएस को फील्ड में लगाया जा चुका है और इस प्रणाली का प्रचालन प्रारंभ हो चुका है।

- **सी-डॉट वाई-फाई प्रौद्योगिकी:** इस वर्ष के दौरान वाई-फाई प्रौद्योगिकी को फील्ड में उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप दिया गया है और विविध नए रूपों को साथ जोड़ा गया है। सीएससी के 5000 गांवों के लिए सौर वाई-फाई और नौसेना तथा सेना के लिए वाई-फाई प्रणालियों के लिए वाई-फाई उपलब्ध कराने का कार्य प्रगति पर है। लेह (लद्दाख में) में ऊंचाई वाले स्थानों पर सौर वाई-फाई, पीडीओ (वी2), हाई स्पीड एक्सेस प्वाइंट (वी2) आदि के लिए पीओसी और परीक्षण पूरे किए जा चुके हैं।

- **एलटीई संवर्धन, कस्टमाइजेशन और परीक्षण:** ईनोडबी और ईपीसी युक्त सी-डॉट एलटीई प्रणाली के लिए विकास कार्य सम्पन्न हो चुका है।

सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 को बनाए रखने के लिए संगठनात्मक प्रक्रियाओं और पद्धतियों का पुनः आकलन

विकास से संबंधित संगठनात्मक प्रक्रियाओं एवं पद्धतियों के लिए संगठन को 2014 में ही सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 के लिए सफलतापूर्वक आंका जा चुका है।

वित्त वर्ष 2017-2018 के दौरान, संगठनात्मक प्रक्रियाओं और पद्धतियों में निरंतर सुधार और नियमित आंतरिक लेखा परीक्षा के जरिए परिपक्वता के स्तर को बनाए रखा गया और परिपक्वता के उसी स्तर पर पुन: आकलन करने की तैयारियां जारी रही, जिनमें औपचारिक औचक निरीक्षण और बाहरी प्रमाणित आकलनकर्ता द्वारा पूर्व-आकलन जारी रहे। इसका समापन सभी प्रकार की विकास परियोजनाओं (यानी केवल हार्डवेयरअभिविन्यस्त, केवल सॉफ्टवेयर अभिविन्यस्त और हार्डवेयर-और सॉफ्टवेयरअभिविन्यस्त) और पूरे संगठन में कार्यान्वित (यानी दोनों स्थानों-दिल्ली और बेंगलुरु में) प्रक्रियाओं और पद्धतियों के लिए सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 पर (नवम्बर, 2017 में) एक अन्य सफल एससीएएमपीआई-ए आकलन में हुआ।

उच्च परिपक्वता स्तर की पद्धतियों का समर्थन और सुधार जारी है और नियमित आंतरिक लेखा परीक्षा के जरिए उनका आकलन किया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान, प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन, विनिर्माण, कस्टेमाइज्ड विकास के लिए संभावित पीएसयू और विनिर्माताओं के साथ 14 एमओयू, परियोजना समझौतों और समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनका विवरण निम्नलिखित है:

समझौते

क्र.सं.	रणनीतिक साझीदार	उद्देश्य
क	**एमओयू और परियोजना समझौता पर हस्ताक्षर**	
1	जेनेसिज कार्पोरेशन	संयुक्त आईसीटी परियोजनाओं पर मिलजुल कार्य करने की संभावनों का पता लगाना
2	आईआईटी हैदराबाद	4जी, 5जी, वाई-फाई, वायरलेस पीएचवाई, एसडीएन और एनएफवी के क्षेत्रों में सहयोगपूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं
3	आईआईटी दिल्ली	मिश्रितभाषी वाणी संग्रह में बहुभाषी और मल्टीमॉडल कीवर्ड सर्च से संबंधित सहयोगपूर्ण परियोजना
4	इंटेलिजेंट कम्यूनिकेशन सिस्टम्स इंडिया लिमिटेड (आईसीएसआईएल)	स्मार्ट नेटवर्क्स का निर्माण करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और शहरी भारत के समीप बीबीडब्ल्यूटी लगाना
		सर्वोत्तम निष्पादन के लिए दूरसंचार नेटवर्क्स के तत्वों की निगरानी करना, समरूप बनाना और प्रबंधन करना
		राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण इलाकों और दिल्ली तक कनेक्टीविटी उपलब्ध कराने के लिए जीपॉन उत्पाद के प्रकारों का उपयोग करना
5	बीएसएनएल	बीएसएनएल नेटवर्क में तकनीकी फील्ड सहायता उपलब्ध कराना
6	एम-टैक नाइजीरिया लिमिटेड, नाइजीरिया	बीबीडब्ल्यूटी के प्रकारों, हाई स्पीड एक्सेस प्वाइंट, विद्वान का इस्तेमाल करना
		ज्ञानसेतु का इस्तेमाल करना
		एम-टैक के नेटवर्क में जीपॉन उत्पाद के प्रकारों, नेटवर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर और नेटवर्क प्लानिंग सॉल्यूशन्स का उपयोग करना
7	टेलीसुप्रीकॉन एफजेडई, यूएई	बीबीडब्ल्यूटी के प्रकारों हाई स्पीड एक्सेस प्वाइंट, विद्वान और एलटीई-ए का इस्तेमाल करना
		टेलीसुप्रीकॉन नेटवर्क और परियोजनाओं में जीपॉन उत्पाद के प्रकारों, नेटवर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर और नेटवर्क प्लानिंग सॉल्यूशन्स का उपयोग करना
8	अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, इसरो अहमदाबाद	सेलुलर मोबाइल कम्युनिकेशन्स की निगरानी और इंटरसेप्ट करने के लिए हाई रेजोल्यूशन सेटेलाइट डेटा का इस्तेमाल करते हुए डब्ल्यूबी/जीएसआई सूचना प्रणाली को विकसित करना
9	एमटीएनएल और आईटीआई लिमिटेड	विभिन्न स्मार्ट सिटीज की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए आईओटी और स्मार्ट सिटी वर्टिकल सॉल्यूशन्स, वाई-फाई हॉटस्पॉट, एफटीटीएच, वीएएस को विकसित कराना, उपलब्ध कराना और इस्तेमाल करना।
10	टीसीआईएल और आईटीआई लिमिटेड	विकासशील देशों पर विशेष ध्यान देते हुए दुनिया भर में उपभोक्ताओं और सेवा प्रदाताओं को अभिनव और उन्नत दूरसंचार उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आर एंड डी, विनिर्माण और डिलिवरी की दिशा में मिल-जुलकर कार्य करना

क्र.सं.	रणनीतिक साझीदार	उद्देश्य
11	एमटीएनएल	एमटीएनएल के लैंडलाइन और मोबाइल ब्रॉडबैंड ग्राहकों को कन्वर्जड वॉयस, वीडियो, डेटा और मल्टीमीडिया सेवाएं उपलब्ध कराना
		एमटीएनएल दिल्ली और मुम्बई में आईपी और एमपीएलएस कोर नेटवर्क को उन्नत बनाना
12	सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन वॉयरलेस टेक्नॉलोजी (सीईडब्ल्यूआईटी), आईआईटी मद्रास	विभिन्न कार्यक्षेत्रों में 4जी / 4जी एडवांस्ड, 5जी, वाई-फाई, वॉयरलेस, पीएचवाई, वॉयरलेस सॉल्यूशन्स के क्षेत्रों में संयुक्त सहयोगपूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं
13	एमटीएनएल	दिल्ली क्षेत्र में एसडीसीएन की शुरुआत करना
14	फाउंडेशन ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रान्सफर (एफआईटीटी), आईआईटी, दिल्ली	इमेज और वीडियो में चेहरों को तलाश करने और उनकी पहचान करने जैसे इमेज एनालिटिक्स या विश्लेषणों के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करना
ख	**विनिर्माताओं के साथ प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण समझौतों पर हस्ताक्षर**	
1	आईटीआई बेंगलुरु	एएन-रैक्स समझौते का विस्तार
2	आरसीवी इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड	पीडीओ
3	आईटीआई लिमिटेड, नैनी	जीपीएसयू (75 वॉट, 125 वॉट)
4	आईटीआई लिमिटेड, नैनी	जीपीएसयू (250 वॉट)
5	टाटा पावर एसईडी	पावर एम्प्लीफायर
6	आईटीआई बेंगलुरु	एसटीबीआर

परिसर अवसंरचना

कई वर्षों के प्रयासों के बाद सी-डॉट परिसर अवसंरचना समूह अपनी पानी की जरूरतें पूरी करने और साथ ही साथ जल की ऑडिट संबंधी सिफारिशों में आत्म-संतुष्टि प्राप्त करने में सफलता प्राप्त कर चुका है। इस उद्देश्य के लिए दिल्ली जल बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद दो बोर-वेल्स की खुदाई करवाई गई। साथ ही अतिरिक्त बुनियादी सुविधा के तौर पर दिल्ली जल बोर्ड के पानी का कनेक्शन भी लिया गया, ताकि परिसर में पानी के स्तर के बिगड़ने पर अंकुश लगाया जा सके। भूमिगत जल स्तर को समृद्धि बनाए रखने की दिशा में वर्षा जल संचयन का अनुरक्षण एक अन्य गतिविधि है।

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान आवास और होस्टल परियोजना के लिए पर्यावरण संबंधी स्वीकृति सहित समस्त संवैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गईं और निर्माण का प्रस्ताव सी-डॉट बोर्ड के विचाराधीन है। आवास और होस्टल का शिल्प और डिजाइन पर्यावरण के अनुकूल दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाया गया है।

साथ ही, परिसर को पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में 1.157 एमडब्ल्यूपी रूफ टॉप सोलर (सोलर आरटीएस) सिस्टम स्थापित करने की परियोजना मैसर्ज सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड इंडिया से साझेदारी के साथ शुरू की गई है। इस परियोजना के तहत दिल्ली और बेंगलुरू में क्रमश: 600 केडब्ल्यूपी और 557 केडब्ल्यूपी क्षमता स्थापित की जानी है। यह परियोजना पूर्ण हो चुकी है और वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान दोनों स्थानों पर सौर विद्युत उत्पादन आरंभ हो चुका है।

संगठनात्मक प्रक्रियाएं और पद्धतियां

सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 को बनाए रखने के लिए संगठनात्मक प्रक्रियाएं और पद्धतियां

संगठन को सफलतापूर्वक सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 (एमएल5) पर रखा गया है, तथा संगठनात्मक प्रक्रियाओं एवं पद्धतियों में निरंतर सुधार, और नियमित आंतरिक जांच-परीक्षा के जरिए परिपक्वता के स्तर को बनाए रखा जा रहा है।

मई 2014 में, दिल्ली और बेंगलुरू में आर एंड डी सेटअप्स सहित समूचे संगठन को पहले प्रयास में ही सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 के लिए सफलतापूर्वक एससीएएमपीआई-ए आंकलन हासिल हुआ। आंकलन के बाद से, समस्त विकास परियोजनाओं में लेवल 2 से 5 तक सभी प्रक्रियागत पद्धतियां बनाए रखी जा रही हैं, प्रोसेस में निरंतर सुधार किए जा रहे हैं तथा प्रोसेस परिपक्वता स्तर को बनाए रखने के लिए समय-समय पर आंतरिक प्रोसेस लेखा परीक्षाएं कराई जा रही हैं।

सीएमएमआई एमएल5 के लिए अगला एससीएएमपीआई-ए आकलन वर्तमान वैधता की अवधि समाप्त होने के बाद वित्त वर्ष 2017-2018 में कराए जाने का कार्यक्रम था। शुरूआती कदम यथा एक बाहरी आकलनकर्ता द्वारा स्थल की जांच अक्टूबर 2016 और दिसम्बर 2016 में कराई गई थी। सूचित खामियों को दूर करने और आकलन की दिशा में बाद के कदम उठाए जाने का कार्य वित्त वर्ष 2017-2018 की पहली तिमाही में जारी रहा। जुलाई 2017 के आरंभ और अगस्त 2017 के अंत में पूर्व आकलन किया गया। पद्धतियों को बेहतर बनाने के लिए बदलाव, तैयारी की समीक्षा, आकलन करने वाली टीम का प्रशिक्षण और एससीएएमपीआई-ए आकलन अक्टूबर 2017 तक पूरा कर लिया गया।

दिल्ली और बेंगलुरु - दोनों स्थानों पर एससीएएमपीआई-ए आकलन 06 नवम्बर 2017 से 17 नवम्बर 2017 तक कराया गया तथा एक बार फिर से, पहले ही प्रयास में संगठन का सीएमएमआई परिपक्वता स्तर 5 आंका गया। उसके बाद से, सभी संगठनात्मक प्रक्रियाओं का अभ्यास किया जाता रहा और उनमें सुधार लाया जाता रहा। साथ ही, समय-समय पर नियमित रूप से लेखा परीक्षण कराया जाता रहा, ताकि प्रक्रिया परिपक्वता का यह स्तर बरकरार रखा जा सके।

बौद्धिक संपदा अधिकार

आईपीआर परिसंपत्तियां और प्रकाशन

दायर किए गए पेटेंट का विवरण

क्र.स.	आविष्कार	आवेदन सं. / दायर करने की तिथि
1.	आईईई 802.11 नेटवर्क्स में डायनेमिक चैनल सलेक्शन	201741028737/11-08-2017 (भारत)
2.	मिश्रितभाषी वाणी संग्रह में बहुभाषी और मल्टीमॉडल कीवर्ड सर्च के लिए पद्धति, प्रणाली और उपकरण	201711032030/11-09-2017 (भारत)
3.	डेटा हस्तांतरित करने के लिए पद्धति और मिरर्ड सीरियल इंटरफेस (एमएसआई)	पीसीटी/आईएन2017/050179/15-05-2017 (पीसीटी)
4.	नेटवर्क ट्रैफिक स्लाइसिंग के लिए प्रणाली और पद्धति	पीसीटी/आईबी2017/052404/26-04-2017 (पीसीटी)
5.	ट्रबल टिकेट जेनरेशन एंड मैंनेजमेंट सिस्टम	201741030750/30-08-2017 (भारत)
6.	भारत में आपात स्थिति की पूर्व चेतावनी और आपदाग्रस्त स्थल का वाई-फाई आधारित प्रबंधन	201841007663/01-03-2018 (भारत)
7.	दुर्गम क्षेत्रों को वाई-फाई से कवर करने के लिए आसमान में एक ऑफ-ग्राउंड सिस्टम	201841008616/08-03-2018(भारत)
8.	वाई-फाई उपलब्ध कराने के लिए पर्यावरण के अनुकूल एक प्रणाली	201841008617/08-03-2018 (भारत)
9.	आरएफ हाई पॉवर एम्प्लीफायर एंक्लोजर में प्रतिध्वनि कम करना	15/597, 448/17-05-2017 (अमेरिका)
10.	जीआईएस आधारित केंद्रीकृत फाइबर फॉल्ट लोकलाइजेशन सिस्टम	15/524, 973/05-05-2017 (अमेरिका) 2964072/26-04-2017 (कनाडा) 201680003582.6/06-05-2017 (चीन)
11.	ऑटोमेटिक वॉल्यूम कंट्रोल	201741029753/22-08-2017 (भारत)
12.	प्रबंधित नेटवर्क में ऑप्टीमाइजेशन और विश्लेषण सुगम बनाने की प्रणाली और पद्धति	15/788, 578/19-10-2017 (अमेरिका) 1717198.4/19-10-2017 (ब्रिटेन) 2,982,199/ 06-10-2017 (कनाडा) 201710999902.4/24-10-2017 (चीन)
13.	सूचना यंत्र उपकरण की सुरक्षा में सेंध रोकने की पद्धति और सूचना यंत्र उपकरण	15/685, 928/24-08-2017 (अमेरिका) 1713627.6/24-08-2017 (ब्रिटेन) 2,977,247/26-08-2017 (कनाडा) 201710750222.9/28-08-2017 (चीन)

पंजीकृत डिजाइन का विवरण

क्र.स.	आविष्कार	आवेदन सं. / भरने करने की तिथि	डिजाइन संख्या / स्वीकृति की तिथि
1.	सबल	291762/15-03-2017	291762/18-12-2017 (भारत)

फाइल किए गए ट्रेडमार्क का विवरण

क्र.स.	ट्रेडमार्क का नाम / प्रतीक चिन्ह	आवेदन सं. / भरने की तिथि
1.	सी-डॉट	3647233/29-09-2017 (भारत)
2.	सीजीरैन	3647234/29-09-2017 (भारत)
3.	पीडीओ (क्लास 16)	3559916/30-05-2017 (भारत)
4.	बलून वाई-फाई (क्लास 9)	3770847/06-03-2018 (भारत)
5.	बलून वाई-फाई (क्लास 16)	3770848/06-03-2018 (भारत)
6.	बम्बू वाई-फाई (क्लास 9)	3770849/06-03-2018 (भारत)
7.	बम्बू वाई-फाई (क्लास 16)	3770850/06-03-2018 (भारत)
8.	सी-जीईएमएस	3791960/29-03-2018 (भारत)

पंजीकृत किए गए ट्रेडमार्क का विवरण

क्र.सं.	ट्रेडमार्क का नाम / प्रतीक चिन्ह	आवेदन सं. /भरने की तिथि	ट्रेडमार्क सं. / प्रदान होने की तिथि
1.	पीडीओ (कक्षा-9)	3559915/30-05-2017	3559915/15-12-2017 (भारत)
2.	सर्वेक्षण	3552652/19-05-2017	3552652/25-12-2017 (भारत)
3.	विद्वान	3316644/21-07-2016	3316644/27-04-2017 (भारत)
4.	सुतीव्र	2926755/20-03-2015	2926755/04-10-2017 (भारत)
5.	चतुर दामिनी	2926743/20-03-2015	2926743/02-11-2017 (भारत)
6.	मुद्रिका दमक	2926745/20-03-2015	2926745/03-11-2017 (भारत)
7.	लोक दमक	2926746/20-03-2015	2926746/03-11-2017 (भारत)
8.	सम्पर्क दमक	2926749/20-03-2015	2926749/26-10-2017 (भारत)
9.	दामिनी नेट	2926750/20-03-2015	2926750/26-10-2017 (भारत)
10.	फाइबर दमक	2926753/20-03-2015	2926753/25-10-2017 (भारत)
11.	दिव्य दामिनी	2926754/20-03-2015	2926754/26-10-2017 (भारत)

दाखिल किए गए कॉपीराइट का विवरण

क्र.सं.	शीर्षक	आवेदन सं. / भरने की तिथि
1.	डीडब्ल्यूडीएम ईएमएस	424/2018-सीओ/एसडब्ल्यू/09-01-2018 (भारत)
2.	जीपॉन ईएमएस	425/2018-सीओ/एसडब्ल्यू/09-01-2018 (भारत)
3.	सी-डॉट जीपॉन ईएमएस सिमुलेटर	4634/2018-सीओ/एल/31-03-2018 (भारत)

प्रदान किए गए कॉपीराइट का विवरण

क्र.सं.	शीर्षक	आवेदन सं. / भरने की तिथि	कॉपीराइट सं. / प्रदान होने की तिथि
1.	सर्वेक्षण	7587/2017-सीओ/एसडब्ल्यू/12-05-2017	एसडब्ल्यू-9339/2017/28-08-2017 (भारत)

प्रकाशनों का विवरण

क्र.सं	उत्पाद	शीर्षक	सम्मेलन / पत्रिका का विवरण
1.	सेटेलाइट हब	मल्टीचैनल वैरिएबल फ्रैक्शनल रेट डिजिटल डाउन कन्वर्टर फॉर सेटेलाइट कम्युनिकेशन्स	आईईईई लेटिन अमेरिकन कांफ्रेस ऑन कम्युनिकेशन्स, 2017 (आईईईई लेटिनकॉम, 2017), ग्वाटेमाला, लेटिन अमेरिका, 8-10 नवम्बर, 2017
2.	सेटेलाइट हब	एफपीजीए बेस्ड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ लो लेटेंसी मल्टीचैनल सेटेलाइट मॉड्यूलेटर विद् पैकेट लॉस डिटेक्शन	आईईईई इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन इंजीनियरिंग टैक्नॉलोजीस एंड एप्लाइड साइंसेज (आईसीईटीएएस 2017), बहरीन, 29 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2017
3.	मैक्स-एनजी एनओसी	रिमोट सॉफ्टवेयर मेनटेन्स सिस्टम फॉर टेलीकॉम नेटवर्क	इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांसिज इन कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन्स एंड इंफोमेटिक्स (आईसीएसीसीआई'17), मणिपाल यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, 13-16 सितम्बर, 2017
4.	आईएमएस का इमरजेंसी कॉल सेशन कंट्रोल फंक्शन	डिटर्मीनेशन ऑफ पब्लिक सेफ्टी आंसरिंग प्वाइंट (पीएसएपी) एंड राउटिंग ऑफ इमरजेंसी कॉल्स इन आईपी मल्टीमीडिया सबसिस्टम	आईईईई कांफ्रेस ऑन एडवांस्ड नेटवर्क्स एंड टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम्स, भुवनेश्वर, ओडिशा, 17-20 दिसम्बर, 2017
5.	ज्ञान सेतु	अ नोवेल अप्रोच टू पॉवर ऑप्टीमाइजेशन फॉर प्रोजेक्शन सिस्टम्स	इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी, वॉल्यूम 10 (24), जून 2017
6.	सेटेलाइट हब	मल्टी-कोर डीएसपी-बेस्ड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ वैरिएबल डेटा रेट ओक्यूपीएसके / टीडीएमए सेटेलाइट रिसीवर	17वीं इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन इलेक्ट्रॉनिक्स इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन (आईसीईआईसी) 2018, होनोलुलु, हवायी, अमेरिका, 24-27 जनवरी, 2018
7.	सेटेलाइट हब	क्रासटॉक एंड फील्ड एनालिसिज ऑफ आर्क शेप कोएक्सीएल वाया फॉर हाई स्पीड डिजिटल सिग्नल्स	आईईईई 21 वर्कशॉप ऑन सिगनल एंड पॉवर इंटीग्रिटी (एसपीआई), बावेनो, इटली, 10 मई, 2017
8.	जेनरिक-5जी	बीम डिविजन मल्टीप्ल एक्सेस (बीडीएमए) एंड मॉड्यूलेशन फॉर्मेट्स फॉर 5 जी: हेयर ऑफ ओएफडीएम?	इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन इंफॉर्मेशन नेटवर्किंग (आईसीओआईएन 2018), चिंग मइ, थाईलैंड, 10-12 जनवरी, 2018

दिल्ली और बेंगलुरू में आईपीआर दिवस समारोह

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) अनुसंधान और विकास प्रयासों से प्राप्त ज्ञान की संरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे विलक्षण नवोन्मेषों का आधार, सी-डॉट के हमारे साथियों के बौद्धिक सामर्थ्य का अभिनंदन और सम्मान करने के लिए दिल्ली और बेंगलुरू परिसरों में आईपीआर दिवस मनाया गया।

दिल्ली में नवोन्मेषकों का अभिनंदन 24 मई 2017 को माननीय मुख्य अतिथि, प्रो. वी. रामगोपाल राव, निदेशक, आईआईटी, दिल्ली और श्री बी. पी. सिंह, उपनियंत्रक, पेंटेंट्स एंड डिजाइन्स, द पेटेंट ऑफिस, भारत सरकार ने किया।

बेंगलुरु में नवोन्मेषकों का अभिनंदन 6 जून 2017 को माननीय मुख्य अतिथि, श्री वी. महेश, मुख्य वैज्ञानिक सीआरएल, बीईएल, बेंगलुरु ने किया।

ज्ञान प्रबंधन

प्रशिक्षण

सी–डॉट के कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। इसके लिए कर्मचारियों को विभिन्न सेमिनारों और सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कर्मचारियों के लिए तकनीकी और सॉफ्ट–स्किल दोनों ही क्षेत्रों में विभिन्न आंतरिक और बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष के दौरान विभिन्न तकनीकी विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें शामिल हैं: क्रिप्टोग्राफी, एक्सट्रीम डीबी, इम्बेडिड सिस्टम्स, सी–डॉट राउटर्स, 5जी, एम 2 एम, एलटीई और विभिन्न वायरलेस प्रौद्योगिकियां, सीएमएमआई प्रक्रियाएं, डिजाइन इंजीनियरिंग, ईएमआई, ईएसडी, सिग्नल इंटेग्रिटी, इनोवेशन, आईओटी, सॉफ्टवेयर सुरक्षा और सुरक्षा, ब्लॉक चेनिंग, एनएलपी एवं एमएल, क्वांटम–सेफ क्रिप्टोग्राफी एल्गोरिद्म इत्यादि। तकनीकी प्रशिक्षण के अलावा कर्मचारियों को सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। वर्ष के दौरान विभिन्न विषयों पर सॉफ्ट स्किल कार्यशालाएं आयोजित की गईं जैसे वस्तु और सेवा कर, कस्टम प्रैक्टिस, सार्वजनिक खरीद, विपणन प्रबंधन, क्रोध प्रबंधन, बातचीत का कौशल, संचार कौशल, प्रेरणा, नैतिकता, समय प्रबंधन इत्यादि।

संस्थानिक सदस्यताएं

सूचना के आदान–प्रदान और सूचना संसाधनों को साझा करने के लिए उपयुक्त एवं अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क्स में भाग लेने के लिए सी–डॉट ने 26 अग्रणी पेशेवर संस्थाओं की सदस्यता ली है। ये सदस्यता सी–डॉट के कर्मचारियों को अपने पेशेवर विकास को बढ़ावा देने, अपने क्षेत्र में ज्ञान बढ़ाने तथा नेटवर्किंग की संभावनाओं का विस्तार करने में समर्थ बनाती हैं। इससे उन्हें उद्योग में नवीनतम नवाचारों, शोध और रुझानों से भी परिचित रहने में भी मदद मिलती है।

क्र.स.	सदस्यता का नाम	सदस्यता का प्रकार
1.	अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) www.aima-ind.org	संस्थानिक सदस्यता 1994 से
2.	एशिया पैसिफिक टेलीकम्यूनिटी (एपीटी) www.aptsec.org	एफिलिएट सदस्यता 2002 से
3.	एशिया प्रशांत नेटवर्क सूचना केंद्र (एपीएनआईसी) www.apnic.net	एसोसिएट सदस्यता 2005 से
4.	करंट साइंस एसोसिएशन www.currentscience.ac.in	संस्थानिक सदस्यता 2016 से
5.	दिल्ली प्रबंधन संघ (डीएमए) www.dmadelhi.org	पैट्रन सदस्यता 1996 से
6.	भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उद्योग संघ (ईएलसीआईएनए) www.elcina.com	एसोसिएट सदस्यता 2010 से
7.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ईएससी) www.escindia.in	एसोसिएशन 2009 से
8.	यूरोपीय दूरसंचार मानक संस्थान (ईटीएसआई) http://www.etsi.org	एसोसिएट सदस्यता 1999 से
9.	फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) काउंसिल http://www.ftthcouncilap.org	सिल्वर सदस्यता 2010 से
10.	3जीपीपी http://www.3gpp.org/	व्यक्तिगत सदस्यता
11.	इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) http://www.iesaonline.org	2013 से
12.	इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स (आईओडी) http://www.iodonline.com	सांस्थानिक सदस्यता 2015 से
13.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार अभियंता संस्थान (आईईटीई) http://www.iete.org	सांगठनिक सदस्यता 2010 से
14.	इंटरनेट प्रोटोकोल टेलीविजन सोसायटी (आईपीटीवी) ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम http://www.iptvforum.org.in	कारपोरेट सदस्यता 2015 से
15.	राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर एवं सेवा संघ (नास्कॉम) www.nasscom.in	एसोसिएट सदस्यता 1996 से
16.	वनएमटूएम http://www.onem2m.org/	व्यक्तिगत सदस्यता
17.	पैसिफिक टेलीकम्युनिकेशन काउंसिल (पीटीसी) इंडिया फाउंडेशन www.ptcif.org	कारपोरेट सदस्यता 1997 से
18.	पीआईसीएमजी http://www.picmg.org	एसोसिएट सदस्यता 2015 से
19.	दूरसंचार उपकरण एवं सेवा निर्यात संवर्धन केंद्र (टीईपीसी) http://www.telecomepc.in	2015 से
20.	दूरसंचार मानक विकास सोसायटी, इंडिया (टीएसडीएसआई) http://www.tsdsi.org/	सांस्थानिक सदस्यता 2014 से
21.	टीएम फोरम http://www.tmforum.org/	कारपोरेट सदस्यता 2017 से
22.	वाई-फाई अलायंस http://www.wi-fi.org	नियमित सदस्यता 2016 से
23.	वायरलेस ब्रॉडबैंड अलायंस http://www.wballiance.com/	सामान्य सदस्यता 2016 से
	पुस्तकालय सदस्यता	
24.	अमेरिकन सेंटर http://amlibindia.state.gov.	संगठनात्मक सदस्यता
25.	ब्रिटिश काउंसिल www.britishcouncil.in/	10 सदस्यता तक
26.	डेलनेट http://delnet.nic.in	सांस्थानिक सदस्यता

ज्ञान प्रबंधन केंद्र

ज्ञान प्रबंधन केंद्र की स्थापना दिल्ली और बेंगलुरू केंद्रों में सी-डॉट शोध एवं विकास गतिविधियों में समर्थन के लिए नवीनतम वैज्ञानिक एवं तकनीकी सूचना उपलब्ध कराने के लिए की गई है। इसमें 31,300 से अधिक तकनीकी पुस्तकें, 4000 हिंदी पुस्तकें और 70 से अधिक आवधिक प्रकाशनों एवं पत्रिकाओं के समृद्ध संग्रह के अलावा देश के 13 अग्रणी अखबार और न्यूजलैटर्स भी शामिल हैं। वर्ष 2017-2018 के लिए कुल 60 नई तकनीकी पुस्तकें और 69 हिंदी पुस्तकें पुस्तकालय संग्रह में शामिल की गईं।

सी-डॉट ने एमसीआईटी कनसॉर्टिया के जरिए आईईईई और एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी को भी सब्सक्राइब किया है। आईईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियंता संस्थान (आईईईई) और उसके प्रकाशन साझेदारों द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिक एवं तकनीकी पाठ्य सामग्री की खोज एवं पहुंच के लिए सशक्त संसाधन है। एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी (डीएल) कम्प्यूटिंग और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आज फुल-टेक्स्ट आलेखों और बिबलियोग्राफिक रिकॉर्ड का सबसे व्यापक संग्रह है। फुल-टेक्स्ट डेटाबेस में जर्नल, सम्मेलन की कार्यवाही, पत्रिकाओं, न्यूजलैटर और मल्टीमीडिया टाईटल्स सहित एसीएम प्रकाशनों का सम्पूर्ण संग्रह शामिल है।

- **एप्रेंटिस प्रशिक्षण**

एप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना, एप्रेंटिसेज अधिनियम, 1961 के तहत गठित प्रमुख वैधानिक निकाय केंद्रीय एप्रेंटिसशिप परिषद (सीएसी) की ओर से निर्धारित नीतियों और दिशानिर्देशों के अनुसार, स्नातक अभियंताओं, डिप्लोमा धारकों (तकनीशियन्स) और करीब 10,000 औद्योगिक स्थापनाओं / संगठनों से उत्तीर्ण 10+2 वोकेशनल को व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराती है। इन दिशानिर्देशों के अनुसार सी-डॉट वार्षिक आधार पर एप्रेंटिसेज (स्नातक, डिप्लोमा और आईटीआई) भी लेती है।

श्रेणी	31-03-17 के अनुसार	1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 की अवधि			31-03-18 के अनुसार मौजूदा संख्या
		भर्ती	त्याग पत्र देने वाले / फरार	पूर्ण करने वाले	
स्नातक	54	89	35	40	34
डिप्लोमा-तकनीकी	4	0	0	4	0
आईटीआई	0	3	0	0	3
योग	58	92	35	44	37

व्यवसाय संवर्धन

- रक्षा अनुसन्धान और विकास संगठन की ओर से नेटवर्क एलिमेंट्स यानी कोर लेयर पर राउटर और एक्सेस लेयर पर स्विचेज की आपूर्ति के लिए आपूर्ति आदेश प्राप्त हुआ।
- सेवा की गुणवत्ता पोर्टल के लिए भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण की ओर से डिज़ाइन, विकास और तकनीकी सहायता के लिए क्रय आदेश प्राप्त हुआ।
- बीएसएनएल नेटवर्क के एक्सचेंजों के लिए मैक्स सहायता के लिए बीएसएनएल से आपूर्ति आदेश प्राप्त हुआ।
- तितली दमक की आपूर्ति के लिए बीएसएनएल की ओर से से आपूर्ति आदेश प्राप्त हुआ।
- सीएससी ई-गॉव सर्विसेज इंडिया लिमिटेड की ओर से सीएससी को तितली दमक, बीबीडब्ल्यूटी की आपूर्ति के लिए आपूर्ति आदेश प्राप्त हुआ।
- दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी) की ओर से दूरसंचार उपकरण पोर्टल के अनिवार्य परीक्षण और प्रमाणन (एमटीसीटीई) के लिए डिज़ाइन, विकास और तकनीकी सहायता हेतु क्रय आदेश प्राप्त हुआ।
- सी-डॉट एलईएमएफ अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर की आपूर्ति, कार्यान्वयन तथा विभिन्न एलईए से प्राप्त सीएमएस के साथ इसके एकीकरण के प्रस्ताव को स्वीकृति।

प्राप्त पुरस्कार

- सी-डॉट के जीपॉन को नवोन्मेषी उत्पाद / सेवा श्रेणी के अंतर्गत गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2016 से सम्मानित किया गया। (इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स, नई दिल्ली द्वारा स्थापित)
- सी-डॉट के ज्ञानसेतु को साइबर मीडिया इनिशिएटिव द्वारा स्थापित चेंज अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया।
- सी-डॉट के विद्वान और पीडीओ को एसकेओसीएच समूह द्वारा मैरिट के लिए एसकेओसीएच प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।
- सी-डॉट को विद्वान के लिए कॉस्ट लीडरशिप हेतु फ्रॉस्ट एंड सुलिवान्स प्रोजेक्ट इवेल्यूएशन एंड रिकॉग्निशन प्रोग्राम (पीईआरपी) 2017 और मैक्स-एनजी के लिए प्रोसेस इनोवेशन पुरस्कार प्रदान किया गया।
- एल्सिना - इलेक्ट्रॉनिक्स फॉर यू 2016-2017 ने सी-डॉट को वर्ष 2017-2018 में आर एंड डी में उत्कृष्टता प्रमाण पत्र प्रदान किया।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

प्रौद्योगिकी के विकास और दक्षता के साथ प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की बदौलत भारत के लिए सक्षम विनिर्माण व्यवस्था का निर्माण संभव हो सका है। सी-डॉट के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) के दर्शन का लक्ष्य प्रौद्योगिकी प्रसार की प्रक्रिया और कार्यों में भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप उच्च सफलता प्राप्त करना है। इसका लक्ष्य विभिन्न प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने वालों को केवल अवसंरचना संबंधी आवश्यकताओं और उत्पादन की आवश्यक जानकारी के बारे में शिक्षित करना ही नहीं है, बल्कि लाइसेंस प्राप्त विनिर्माताओं को पूंजी, उपकरण और संघटकों के स्रोतों और विनिर्देशों के बारे में विस्तृत ब्यौरा प्रदान करना भी है।

वित्त वर्ष 2017-2018 के दौरान, सी-डॉट ने 5 नई प्रौद्योगिकियों / उत्पादों को कवर करने वाले कुछ 5 टीओटी समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन 5 टीओटी में से 2 पर निजी क्षेत्र के विनिर्माओं के साथ, जबकि 3 पर सीपीएसयू के साथ हस्ताक्षर किए गए । 31 मार्च 2018 तक, 26 प्रौद्योगिकियों के लिए 23 अलग लाइसेंसों के साथ कुल 82 टीओटी पर हस्ताक्षर किए गए। सी-डॉट ने मैसर्ज बीईएल, मैसर्ज ईसीआईएल और मैसर्ज आईटीआई लिमिटेड जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ निकट सहयोग से काम करने के जरिए जीपॉन, मैक्सईएनजी, एएनरैक्स और बीबीडब्ल्यूटी प्रौद्योगिकियों की बड़े पैमाने पर तैनाती के लिए अपने टीओटी के माध्यम से विनिर्माण को व्यापक स्तरीय सहायता दी है। सी-डॉट मैक्स-एनजी प्रौद्योगिकी को लगाने से बीएसएनएल नेटवर्क में स्वदेशी रूप से विकसित स्विचिज के जीवनकाल में विस्तार हो जाता है। भारतनेट में जीपॉन के अखिल भारतीय स्तर पर प्रसार के लिए सी-डॉट आईटीआई की विभिन्न इकाइयों और निजी विनिर्माण साझेदारों जैसे मैसर्ज यूटीएल और मैसर्ज तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड के साथ मिलकर काम कर रहा है और बड़ी तादाद में उपकरण नेटवर्क में लगाए जा चुके हैं जबकि उन्हें लगाने का कार्य पूरा करने के प्रयास जारी हैं। इन्हें लगाए जाने से भारतनेट के निर्माण को सकारात्मक प्रोत्साहन मिला है, जो भारत सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल को सक्षम अवसंरचना उपलब्ध कराता है।

सीपीएसयू सहित सी-डॉट के तकनीकी विनिर्माण साझेदार और खासतौर पर निजी क्षेत्र के मैसर्ज सिस्टम्स कंट्रोल्स टैक्नोलॉजी सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्ज सीएंट लिमिटेड, मैसर्ज एचएफसीएल जैसे लाइसेंसधारक सी-डॉट प्रौद्योगिकी साझेदार सोलर / हाई स्पीड एक्सेस ब्रॉडबैंड वायरलेस टर्मिनल्स जैसे वाई-फाई आधारित उत्पादों के लिए कारोबार के गैर सरकारी वर्ग तक पहुंच बनाने के लिए सी-डॉट के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस अवधि के दौरान सी-डॉट पीडीओ को भी बढ़ावा दिया गया।

विविध आयोजन 2017–2018

अप्रैल 2017

'फ्यूचर प्रूफ स्मार्ट सिटीज' विषय पर एक कार्यशाला 19

मई 2017

- ताईवान में इंट्राप 4 19
- आईपीआर दिवस समारोह 19

जून 2017

वनएम2एम डेवलपर्स आयोजन 20

जूलाई 2017

- स्ट्रेटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट 2017 20
- सी–डॉट परिसर, बेंगलुरु में अध्यक्ष, ट्राई का दौरा 20

अगस्त 2017

सी–डॉट स्थापना दिवस प्रदर्शनी और विद्वान का लॉन्च 21

सितम्बर 2017

भारत–अफ्रीकी आईसीटी एक्सपो 2017 22

अक्तूबर 2017

आईएमएस 2017 22

नवम्बर 2017

- ताइवानी शिष्टमंडल का दौरा 23
- आईटीई बिज़ 2017 23
- आईटीयू के महासचिव का दौरा 23
- एफआईजीआई 2017 में भागीदारी 24
- आईईईई आईएआईएम 2017 24

दिसम्बर 2017

- ईटीएसआई 2017 24
- आईईईई एएनटीएस 2017 25

जनवरी 2018

5वां इंडिया एम2एम + आईओटी फोरम, 2018 25

फरवरी 2018

- आईओटी शो डॉट इन 2018 25
- इंडिया टेलीकॉम 2018 26
- मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2018 26

मार्च 2018

- कनवर्जेंस इंडिया 2018 27
- आईईईई कनेक्ट 2018 27

विविध आयोजन
2017-2018

अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक के कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

21 अप्रैल 2017 को 'फ्यूचर प्रूफ स्मार्ट सिटीज विद ए कॉमन सर्विस लेयर' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सह-आयोजन ईटीएसआई, टीएसडीएसआई और सी-डॉट ने किया।

आईसीटी से संबंधित मानकीकरण, नीति और कानून पर भारत-यूरोपीय संघ सहयोग परियोजना, यूरोपीयन टेलीकम्युनिकेशन्स स्टेंडर्ड्स इंस्टीट्यूट (ईटीएसआई) और टेलीकम्युनिकेशन्स स्टेंडर्ड्स डेवेलपमेंट सोसायटी, इंडिया (टीएसडीएसआई) ने सेंटर फॉर डेवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) के सहयोग से "फ्यूचर प्रूफ सिटीज विद अ कॉमन सर्विस लेयर: अ स्टेंडर्ड्स ड्रिवन अप्रोच" विषय पर 21 अप्रैल, 2017 को सी-डॉट परिसर, नई दिल्ली में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य एक ऐसा मंच प्रदान करना था, जहां आईओटी और एम2एम मंच, अकादमिक, आर एंड डी, उद्योग के विदेशी और भारतीय विशेषज्ञ तथा संचार, शहरी विकास और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय स्मार्ट सिटीज परियोजना में नामित शहरों के वरिष्ठ अधिकारी अपना ज्ञान और अनुभव साझा करने के लिए सम्पर्क कर सकें। यूरोप और दक्षिण कोरिया के सिटी प्रशासनिक अधिकारी, जिन्होंने वास्तव में अपने संबंधित शहरों में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को लागू किया है, को आमंत्रित करके संवाद को समृद्ध करने की भी योजना थी।

ताइवान में 16-19 मई, 2017 को इंट्रॉप 4 का आयोजन

इंट्रॉप 4 का आयोजन ताइवान की ताइपे सिटी के झोंगशान जिले के बेल्लेज़्ज़ा होटल में 16-19 मई, 2017 के दौरान किया गया। इसका सह आयोजन ईटीएसआई (यूरोपीय टेलीकम्युनिकेशन्स स्टेंडर्ड्स इंस्टीट्यूट), टीटीई (टेलीकम्युनिकेशन्स टैक्नोलॉजी एसोसिएशन ऑफ कोरिया) और ताइवान के इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन इंडस्ट्री (आईआईआई), द्वारा किया गया। सी-डॉट ने वन एम2एम मानकों में परिभाषित मौलिक अंत:प्रचालनीयता की पुष्टि करने तथा एम2एम इंटरफेसेज की आदि से अंत कार्यात्मकता परखने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आईपीआर दिवस समारोह 2017

सी-डॉट के विलक्षण नवोन्मेषों का आधार रहे हमारे साथियों के बौद्धिक सामर्थ्य, का अभिनंदन और सम्मान करने के लिए दिल्ली और बेंगलुरू परिसरों में आईपीआर दिवस मनाया गया।

24 मई 2017 को दिल्ली में कार्यरत नवोन्मेषकों और लेखकों का अभिनंदन माननीय मुख्य अतिथि, प्रो. वी. रामगोपाल राव, निदेशक,

आईआईटी, दिल्ली ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विपिन त्यागी, कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट ने की। मुख्य अतिथि ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स के बारे में भी विचार प्रकट किए। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि श्री बी.पी. सिंह, उपनियंत्रक, पेंटेंट्स एंड डिजाइन्स, इंडियन पेटेंट ऑफिस, ने नवोन्मेषकों और लेखकों की सराहना की और सी-डॉट की उपलब्धियों के लिए उसे बधाई दी।

6 जून 2017 को बेंगलुरु परिसर में कार्यरत नवोन्मेषकों और लेखकों का अभिनंदन माननीय मुख्य अतिथि, श्री महेश वी., मुख्य वैज्ञानिक, सेंट्रल रिसर्च लैब, बीईएल, बेंगलुरु ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विपिन त्यागी, कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट ने की। मुख्य अतिथि ने आईपीआर के आधार और महत्व के बारे में भी विचार प्रकट किए।

सी-डॉट परिसर में 8 और 9 जून, 2017 को वन एम2एम डेवलपर्स आयोजन

वन एम2एम डेवलपर्स आयोजन सी-डॉट परिसर, नयी दिल्ली में 8 और 9 जून, 2017 को किया गया और उसका वीडियो बेंगलुरु में सीधे प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम का सहआयोजन सी-डॉट, टीएसडीएसआई और ईटीएसआई ने आईसीटी मानकीकरण पर सहयोग पर भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी परियोजना के तत्वावधान में किया।

डेवलपर्स पर केंद्रित इस कार्यक्रम में वनएम2एम मानकों और साधनों की जानकारी दी, जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स में अंत:प्रचालनीयता और बाज़ार की प्रगति में सक्षम बनाते हैं।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं ने आईओटी में सक्रिय डेवलपर्स के लिए मूल्यवान जानकारी साझा की। इस नई पहल का उद्देश्य डेवलपर्स के लिए एक इंटरैक्टिव और प्रेरणादायक वैचारिक आदान-प्रदान का मंच बनाना था, ताकि व्यवहारिक अभ्यास करने के अवसर प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के पहले दिन एम2एम मानकों का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया गया और आईओटी अनुप्रयोगों को जल्दी से विकसित करने के तरीकों के बारे में सिखाया गया। दूसरा दिन, सेंसर / एक्ट्यूएटर पक्षों के साथ-साथ अंतिम उपयोगकर्ता के बारे में एम2एम अनुप्रयोगों को विकसित करने के व्यवहारिक अभ्यास को समर्पित किया गया था। इस कार्यक्रम में उद्योगों, अकादमिक और छात्र बिरादरी से प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

स्ट्रेटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट 2017

स्ट्रेटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स समिट 2017 (एसईएस 2017) – डिफेंस एंड एरोस्पेस के 8वें संस्करण का आयोजन 6 और 7 जुलाई 2017 को बेंगलुरु इंटरनेशनल एक्सीबिशन सेंटर (बीआईईसी), बेंगलुरु में किया गया। श्री विपिन त्यागी, कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट ने रक्षा परियोजनाओं में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के अवसरों के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। सी-डॉट की ओर से रणनीतिक संचार प्रौद्योगिकियों के रुझानों और स्वदेशीकरण की संभावनाओं के बारे में एक विशेष तकनीकी सत्र का भी आयोजन किया गया। सी-डॉट ने अवसर का उपयोग अपने स्वदेशी उत्पादों और समाधानों को प्रदर्शित करने में किया, जिनकी आगंतुक अधिकारियों ने सराहना की।

सी-डॉट परिसर, बेंगलुरु में अध्यक्ष, ट्राई का दौरा

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने विभिन्न सेवा प्रदाताओं के लिए एक ही एसटीबी का उपयोग करने की अनुमति देने में शामिल तकनीकी चुनौतियों पर विचार करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल का

गठन किया था, जिसके लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) नियामक का नोडल साझेदार रहा है। ट्राई के अध्यक्ष और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टाई) के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अंत:प्रचालनीय एसटीबी ढांचे के बारे में चर्चा करने और उसका प्रदर्शन देखने के लिए 24 जुलाई 2017 को सी-डॉट, बेंगलुरू का दौरा किया।

30 और 31 अगस्त, 2017 को सी-डॉट स्थापना दिवस प्रदर्शनी और विद्वान का लॉन्च

सी-डॉट ने 30 अगस्त 2017 से 31 अगस्त 2017 तक सी-डॉट परिसर, दिल्ली और बेंगलुरु में साथ-साथ अपना 33 वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर, संचार मंत्री श्री मनोज सिन्हा ने अपने संदेश में कहा

कि भारत सरकार का प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्रों में दूरगामी प्रभाव वाले उत्पादों का विकास कर सकता है और उसे आम आदमी के लिए सस्ती दर पर अत्याधुनिक दूरसंचार अवसंरचना तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री अरुणा सुंदरराजन, सचिव दूरसंचार विभाग और अध्यक्ष दूरसंचार आयोग, भारत सरकार ने सी-डॉट के पोर्टफोलियो में नवीनतम नवाचार **विद्वान** लॉन्च किया, जो एक इंटेलिजेंट सीपीई समाधान है, जिसे कार्यालयों और घरों जैसे स्थानों में नो-सिग्नल और कम सिग्नल नेटवर्क वाली जगहों पर बार-बार होने वाली कॉल ड्रॉप की समस्या को दूर करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट, श्री विपिन त्यागी ने कहा कि आने वाले वर्षों में संचार के नए प्रतिमान को देखते हुए सी-डॉट को नई चुनौतियों का सामना करना होगा। इस कार्यक्रम के अन्य मुख्य आकर्षण उत्पाद प्रदर्शन और जी. बी. मीमांसी व्याख्यान श्रृंखला रहे।

जी. बी. मीमांसी व्याख्यान श्रृंखला का यह संस्करण सूचनात्मक सत्रों से भरपूर था। प्रोफेसर वी रामगोपाल राव, निदेशक आईआईटी दिल्ली ने 'ब्रिजिंग एकेडेमिक आर एंड डी विद प्रोडक्ट इनोवेशन' पर एक कार्यशाला आयोजित की। डॉ. समीर मित्तल, कृत्रिम मेधा विशेषज्ञ, कॉग्नीटिव सॉल्यूशन्स एंड मशीन (डीप) लर्निंग, अमेरिका, ने उपस्थित लोगों को 'कॉग्नीटिव कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर फॉर मशीन (डीप) लर्निंग एट स्केल विद एप्लीकेशन्स इन एम 2 एम / आईओटी एनालिटिक्स' के

बारे में जानकारी दी। विख्यात अभियंता, डीएसपी और वीएलएसआई डिज़ाइन, अमेरिका में विशेषज्ञ डॉ. डेविड गैरेट ने 'इमर्जेंस ऑफ स्मार्ट एंटीनास इन डब्लूलैन टैक्नॉलोजी (802.11 ए सी) एंड इम्प्लीकेशन्स ऑफ द अपकमिंग 802.11 एएक्स स्टेंडर्ड' के बारे में ज्ञानवर्धन किया। इस कार्यक्रम में निजी, सरकारी, छोटे और माध्यम उद्योगों, अकादमिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने सी-डॉट के नवाचारों और प्रभाव की सराहना की।

लागोस, नाइजीरिया में 6-7 सितम्बर, 2017 के दौरान भारत-अफ्रीकी आईसीटी एक्सपो 2017

भारत सरकार ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच रिश्ते और वचनबद्धता पर जोर देने के लिए 6-7 सितंबर 2017 को एको होटल एंड कन्वेंशन सेंटर, लागोस, नाइजीरिया में आईटी और दूरसंचार शिखर सम्मेलन के साथ भारत-अफ्रीका आईसीटी एक्सपो 2017 के तीसरे संस्करण की मेज़बानी की ।

इंडो-अफ्रीका आईसीटी एक्सपो 2017 ने भारत और अफ्रीकी देशों के बीच नवोन्मेषी और विविध उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करने तथा नियामक और व्यापारिक मुद्दो के समाधानों पर चर्चा करने के लिए संपूर्ण आईसीटी मूल्य श्रृंखला के विशेषज्ञों को एक साथ लाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

इंडो-अफ्रीका आईसीटी एक्सपो 2017 में ऐसी नवीनतम तकनीकों को प्रस्तुत किया, जो अफ्रीका में कंपनियों को संचार और डिजिटल दुनिया में प्रतिस्पर्धी बढ़त बनाने और उसे बनाए रखने में मदद करती हैं। श्री एम सौंदरकुमार, निदेशक, सी-डॉट भी इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में शामिल थे।

आईएमएस 2017

सी-डॉट ने इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो 2017 में भाग लिया जिसका उद्देश्य दुनिया भर की उत्कृष्ट प्रतिभाओं, बेहतरीन तकनीकों और बेहद बुद्धिमान लोगों को एक साथ लाते हुए विनिर्माण क्षेत्र को तेजी प्रदान करना है, साथ ही सभी प्रतिभागियों को विपणन के बेहतरीन अवसर भी उपलब्ध कराना है।

इंडिया मैन्युफैक्चरिंग शो 2017 इंजीनियरिंग क्षेत्र और संबंधित कंपनियों के लिए देश का प्रमुख व्यापार मेला था। आईएमएस 2017 भाग लेने वाली कंपनियों को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान किया। आईएमएस का आयोजन हर दो साल में किया गया है और चौथा संस्करण 30 अक्टूबर - 1 नवंबर, 2017 को बेंगलुरु इंटरनेशनल एक्सीबिशन सेंटर (बीआईईसी), बेंगलुरु, भारत में आयोजित किया गया ।

सी-डॉट में 14 नवम्बर, 2017 को ताइवानी शिष्टमंडल का दौरा

ताइवान के शिष्टमंडल ने 14 नवम्बर, 2017 को सी-डॉट, दिल्ली का दौरा किया। इस शिष्टमंडल में ताइवान एसोसिएशन फार इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन स्टेंडर्ड्स (टीएआईसीएस), इंडस्ट्रीयल टैक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईटीआरआई), इंस्टीट्यूशन फॉर इंफॉर्मेशन इंडस्ट्री (आईआईआई) और अन्य ताइवानी अकादमिक संस्थाओं और संकायों के अधिकारी शामिल थे। शिष्टमंडल के सदस्यों को सी-डॉट के दूरसंचार समाधानों और स्वदेशी आविष्कारों की जानकारी दी गई। ताइवानी अधिकारियों के साथ मानकीकरण से संबंधित अनेक पहलों और 5जी तथा आईओटी के क्षेत्र में उभरते नए रुझानों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

आईटीई डॉट बिज़ 2017

आईटी एंड बीटी विभाग, कर्नाटक सरकार ने नवाचार व्यवस्था को सहायता देने के लिए कई कदम उठाए हैं और बेंगलुरु आईटीई डॉट बिज 2017 ने **'डिफाइन द नैक्स्ट'** पर ध्यान केंद्रित किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से आईटी एंड बीटी विभाग, कर्नाटक सरकार और सॉफ्टवेयर टैक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(एसटीपीआई) बेंगलुरु ने किया था। आईटीई डॉट बिज़ का आयोजन 16-18 नवम्बर, 2017 के बीच पैलेस ग्राउंड बेंगलुरु में किया गया।

आईटीयू के महासचिव का 22 नवम्बर, 2017 को दौरा

आईटीयू के महासचिव श्री हॉलिन झाओ ने 22 नवम्बर, 2017 को सी-डॉट का दौरा किया। दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी उनके साथ आकर अपनी उपस्थिति से उस अवसर की शोभा बढ़ाई। उन्होंने कुछ आर एंड डी प्रयोगशालाओं का दौरा किया और उनके समक्ष सी-डॉट के स्वदेशी समाधान प्रस्तुत किए गए। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में सी-डॉट के

योगदान की सराहना की गई।

एफआईजीआई 2017 में भागीदारी

फाइनेंशियल इन्क्लूसन ऑफ ग्लोबल इनिशिएटिव (एफआईजीआई) संगोष्ठी के पहले संस्करण का आयोजन बेंगलुरु, भारत में 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2017 को किया गया। इस संगोष्ठी का आयोजन इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के दूरसंचार मानकीकरण ब्यूरो (टीएसबी) द्वारा बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन, विश्व बैंक और कमिटी ऑन पेमेंट्स एंड मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीपीएमआई) की ओर से संयुक्त रूप से और भारत सरकार की सहायता से किया गया। इस कार्यक्रम की मेज़बानी दूरसंचार विभाग ने की थी और सी-डॉट भी मेज़बानों में से

एक था। कार्यक्रम के इस संस्करण का विषय "इनोवेटिव अप्रोचिज टू डिजिटल फाइनेंशियल इन्क्लूशन चैलेंजिस'' था।

संचार मंत्री श्री मनोज सिन्हा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। ट्राई के अध्यक्ष श्री आर. एस. शर्मा, दूरसंचार विभाग की सचिव और दूरसंचार आयोग की अध्यक्ष सुश्री अरुणा सुंदरराजन, एमईआईटीवाई के सचिव श्री अजय प्रकाश साहनी, और दूरसंचार विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सी-डॉट ने इस अवसर पर अपने स्वदेशी उत्पादों और समाधानों को प्रदर्शित किया, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नेटवर्क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जो डिजिटल वित्तीय समावेशन का समर्थन करने के लिए आवश्यक है।

आईईईई आईएआईएम 2017

आईईईई बेंगलुरु सेक्शन ने एंटीना इनोवेशन्स एंड मॉडर्न टैक्नोलॉजीस (आईएआईएम-2017) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का आयोजन 24-26 नवम्बर, 2017 को स्टर्लिंग मैक होटल, बेंगलुरु, भारत में किया गया।

सी-डॉट ने आईएआईएम-2017 में भाग लिया जिसका मुख्य उद्देश्य उद्योग और अकादमिक जगत के बीच सामंजस्य बैठाना था। आईएआईएम-2017 में एंटीना डिज़ाइन और माप पर अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों से चर्चा, ट्यूटोरियल्स, औद्योगिक और अकादमिक प्रदर्शनियां तथा सहायक पत्र प्रस्तुतियां शामिल थीं।

ईटीएसआई 2017

ईटीएसआई, यूरोपीयन टेलीकम्युनिकेशन्स स्टेंडर्ड्स इंस्टीट्यूट, सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) के लिए वैश्विक स्तर पर स्वीकृत मानक तैयार करता है जिनमें फिक्स्ड, मोबाइल, रेडियो, प्रसारण और इंटरनेट प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

ईटीएसआई ने सी-डॉट और टीईसी से सी-डॉट के बेंगलुरु परिसर में 6 दिसम्बर, 2017 को एक दिन की संगोष्ठी का आयोजन करने का अनुरोध किया था। यह सी-डॉट के डेवलपर्स के लिए वर्तमान मानकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सहायक साबित हुई। इससे सी-डॉट को ऐसे लोगों और कम्पनियों के साथ सम्पर्क करने का अवसर प्राप्त हुआ, मानकों को बनाने और परिभाषित करने में विशेषज्ञ थे।

आईईईई एएनटीएस 2017

सी-डॉट ने 17-20 दिसम्बर 2017 को भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित आईईईई एएनटीएस 2017 में भाग लिया। एएनटीएस नेटवर्किंग और दूरसंचार के विषयों के बारे में एक प्रमुख आईईईई मंच है। आईईईई एएनटीएस 2017 की प्रमुख विशेषता यह है कि यह अकादमिक और उद्योग जगत के बीच गहन संवाद को बढ़ावा देता है, ताकि अकादमिक शोध, उद्योग की पहल और सरकार की नीतियों के बीच के फासलों को कम किया जा सके।

इसे पैनल परिचर्चाओं, प्रमुख भाषणों, वार्ताओं और औद्योगिक प्रदर्शनों के जरिए प्रोत्साहन दिया जाता है, जहां अकादमिक से जुड़े लोगों को अत्याधुनिक पद्धतियों और परीक्षणों के निष्कर्षों, तथा अंत:प्रचालनीयता के प्रयोगों के बारे में जानकारी दी जाती है। बदले में, उद्योग जगत को नेटवर्किंग के क्षेत्र में हो रहे प्रमुख शोधों की जानकारी से लाभ पाने साथ ही व्यवहारिक समस्याओं के बारे में अकादमिक शोधकर्ताओं से व्यवहारिक समस्याओं के बातचीत करने का मौका मिला, जिनके लिए और ज्यादा शोध की जरूरत होती है। इस साल का विषय "कम्युनिकेशन्स फॉर स्मार्ट सिटी" था।

5वां इंडिया एम2एम + आईओटी फोरम, 2018

एम2एम + आईओटी फोरम के पांचवें संस्करण का आयोजन 30-31 जनवरी, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में हुआ। इस अवसर पर सी-डॉट ने अपने सीसीएसपी और स्मार्ट लाइट, जीओ इंटेलिजेंस जैसे एंड एप्लीकेशन्स प्रदर्शित किए। इस कार्यक्रम में भारत के नीतिनिर्माता, नियंत्रक और उद्योगपति शामिल थे। सी-डॉट ने एम2एम में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया और श्री विपिन त्यागी, कार्यकारी निदेशक, सी-डॉट ने इस अवसर पर 'कैपिटलाइजिंग कनेक्टिड वर्ल्ड' पर व्याख्यान दिया।

आईओटी शो डॉट इन 2018

सी-डॉट ने बेंगलुरु में आयोजित आईओटी शो डॉट इन 2018 में भाग लिया जिसके पिछले दो संस्करणों को अपार सफलता

मिली है। तीसरे संस्करण में ईएफवाई ने भारत के टैक्नोलॉजी उद्योग की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए 7 से 9 फरवरी 2018 को केटीपीओ ट्रेड सेंटर, बेंगलुरु में आईओटी शो डॉट इन 2018 का आयोजन किया।

इंडिया टेलीकॉम 2018

इंडिया टेलीकॉम 2018- एक विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन टीईपीसी (ट्रेड एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन सेंटर) ने शेंगरी-ला के इरोस होटल, नई दिल्ली में 22 और 23 फरवरी 2018 को वाणिज्य विभाग, भारत सरकार की मार्केट एक्सेस इनिशिटिव स्कीम (एमएआई) के तहत किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय दूरसंचार निर्यातकों को पात्र विदेशी खरीदारों से मुलाकात के अवसर प्रदान करना है। इस कार्यक्रम ने विभिन्न देशों के खरीददारों और भारतीय निर्यातकों को आमने-सामने बैठक करने का अवसर मिला, जिसमें वे उन्हें अपने उत्पादों और तकनीकी समाधानों की जानकारी दे सकें। सी-डॉट ने वायरलेस, जीपॉन, जीओ इंटेलिजेंस और राउटर जैसे उत्पादों और समाधानों का प्रदर्शन किया।

23 फरवरी 2018 को टीईपीसी (दूरसंचार उपकरण एवं सेवा निर्यात संवर्धन परिषद) ने “इंटरनेशनल बायर-सेलर मीट टीईपीसी इंडिया टेलीकॉम 2017'' का आयोजन किया। इस अवसर पर 30 से ज्यादा देशों के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) उद्योग से संबंधित 100 से ज्यादा विदेशी विशिष्ट प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें भूटान, बांग्लादेश, कम्बोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर और मलावी के मंत्रालयी / आधिकारिक शिष्टमंडल शामिल थे। इसका मुख्य उद्देश्य एसएमई और स्टार्टअप्स सहित भारतीय दूरसंचार निर्यातकों को निर्यात की संभावनाएं तलाशने तथा विदेशी खरीददारों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाने की अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था। टीईपीसी के इस प्रमुख कार्यक्रम का आयोजन हर साल किया जाता है और यह एक अनूठा मंच है, जहां दुनिया भर के संभावित खरीददारों को दूरसंचार उपकरण और सेवाओं के भारतीय आपूर्तिकर्ताओं साथ ही साथ भारत सरकार के प्रमुख हितधारकों से मुलाकात करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2018

सी-डॉट ने जीएसएमए मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2018 में भाग लिया जिसका आयोजन 26 फरवरी - 1 मार्च 2018 को बार्सिलोना, स्पेन में किया गया।

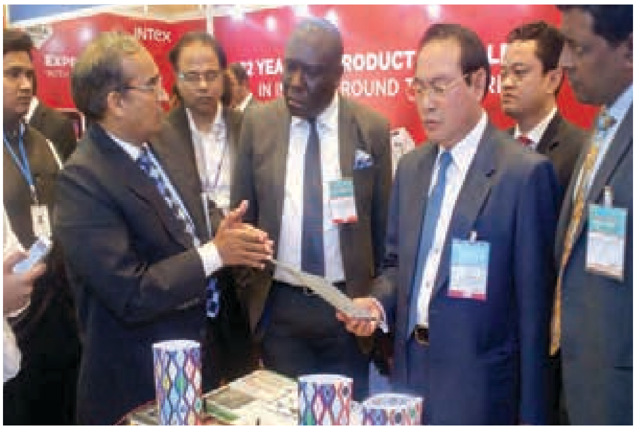

आईईईई कनेक्ट 2018

आईईईई कनेक्ट 2018 का आयोजन आईईईई बेंगलुरु खण्ड द्वारा 16-17 मार्च 2018 को बेंगलुरु में किया गया। इस सम्मेलन में विस्तृत चर्चाएं आयोजित की गईं और विख्यात शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकीविदों के पत्र आमंत्रित किए गए। सम्मेलन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटिंग और संचार के क्षेत्रों में हाल में हुई प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कनवर्जेंस इंडिया 2018

सी-डॉट ने नई दिल्ली में 7-9 मार्च, 2018 को आयोजित कनवर्जेंस इंडिया 2018 में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान सी-डॉट की विविध प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया और आगन्तुकों ने उत्पादों के लाइव प्रदर्शन की सराहना की।

मानव संसाधन पहल

वर्ष 2017-2018 के दौरान सी-डॉट ने आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रतिष्ठित अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में कैम्पस भर्ती के जरिए कम्प्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन के क्षेत्रों से 74 नए अभियंताओं तथा 4 एमबीए डिग्रीधारकों की भर्ती की।

महिला सशक्तिकरण:

सी-डॉट का प्रबंधन जेंडर मुद्दों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहा है तथा उसने महिलाओं और पुरुषों में समानता प्रदर्शित करने वाली संगठनात्मक संस्कृति बनाने की दिशा में निरंतर काम किया है। फिलहाल सी-डॉट में करीब 33 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं।

मौजदा नीतियां:

सभी पात्र महिला कर्मचारियों को 180 दिन के मातृत्व अवकाश और उसके बाद 90 दिन तक का अवकाश (180 दिन के मातृत्व अवकाश सहित 270 दिन) लेने की अनुमति है। गर्भपात के लिए, समूची सेवा अवधि में कुल 45 दिन के अवकाश की स्वीकृति है।

सी-डॉट ने बच्चों की देखभाल के लिए अवकाश के बारे में नीति शुरू की है। इस अवकाश की अनुमति उसके लिए आवेदन करने पर पात्र महिला कर्मचारी को दी गई है।

सी-डॉट अपनी सभी महिला कर्मचारियों को विभिन्न विकल्पों के साथ ठहरने की जगह और परिवहन लाभ उपलब्ध कराता है जो व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार हासिल किए जा सकते हैं। इससे कंपनी में कार्यरत सभी महिला कर्मचारियों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित की जाती है।

100 प्रतिशत महिला कर्मचारियों को रिहायशी टेलीफोन के बिल की प्रतिपूर्ति की जाती है।

36 प्रतिशत महिला कर्मचारियों को बहुविध कामकाज का भत्ता दिया जाता है।

सी-डॉट में महिला कर्मचारियों को करियर वृद्धि के अवसर उपलब्ध हैं। पिछले वित्त वर्ष में हायर ग्रेड में पदोन्नत किए गए कुल कर्मचारियों में से 28 प्रतिशत महिलाएं थीं।

प्रबंधन काडर (टीम लीडर्स, ग्रुप लीडर्स, तकनीकी विशेषज्ञ और वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ) में करीब 28 प्रतिशत महिलाएं हैं।

कार्य स्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी मुद्दों के समाधान के क्रम में, मामले को निष्पक्ष एवं न्यायपूर्ण ढंग से देखने तथा उसके लिए उपयुक्त कार्रवाई करने की सिफारिश के लिए सी-डॉट बोर्ड ने एक समिति गठित की है।

कर्मचारियों का कल्याण:

अस्पताल में भर्ती होने के खर्च के कवरेज के उद्देश्य से, सी-डॉट ने नैशनल इन्श्युरेन्स कंपनी लि. से टेलर-मेड ग्रुप मेडि-क्लेम बीमा लिया है। इग्जीक्यूटिव काडर में स्टाफ सदस्यों (और उनके परिवारों) को 7 लाख 50 हज़ार या 10 लाख रुपये के लिए विकल्प की सुविधा के साथ 5 लाख रुपये का कवरेज तथा नॉन-इग्जीक्यूटिव काडर में कर्मचारियों को 5 लाख रुपये के लिए विकल्प की सुविधा के साथ 3 लाख 50 हज़ार रुपये के कवरेज की सुविधा उपलब्ध है।

सी-डॉट में कर्मचारियों की रोज़मर्रा की शिकायतों को दूर करने के लिए सुगम और आसानी से उपलब्ध तंत्र प्रदान करने के लिए शिकायत प्रक्रिया शुरू की गई है।

अनुसूचित जाति/जनजाति और दिव्यांग जनों की भर्ती:

दिव्यांग जनों और अनुसूचित जाति / जनजाति श्रेणी के उम्मीदवारों की भर्ती के लिए, सी-डॉट में नौकरी में आरक्षण उपलब्ध कराने के लिए सी-डॉट सरकारी नियमों का पालन करता है।

सी-डॉट में इन श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों के कल्याण पर विचार करने और उनके सामने आने वाली किसी समस्याओं / शिकायतों के समाधान के लिए पद्धति है।

दिव्यांग जनों के लिए लाभ:

सी-डॉट दिव्यांग जनों के लिए नौकरी में आरक्षण के संबंध में भारत सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करता है।

दिल्ली में सी-डॉट परिसर इस ढंग से बनाया गया है कि दिव्यांग जनों के लिए बाधा मुक्त वातावरण उपलब्ध हो सके। मुख्य प्रवेश द्वार / निकास मार्ग स्टैप्ड एंट्री के साथ रैम्प के जरिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कामकाज के विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने वाले एलीवेटर्स भी दिव्यांग जनों के लिए एक प्रकोष्ठ से दूसरे प्रकोष्ठ तक निर्बाध आवागमन के लिए संस्थापित किए गए हैं।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत अभियान

भारत सरकार का प्रमुख आर एंड डी केंद्र होने के नाते सी-डॉट ने अपने परिसर में अनेक गतिविधियों के साथ स्वच्छ भारत पहल में योगदान दिया है। इसके तहत आसपास के वातावरण की स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया गया। 'स्वच्छता ही सेवा' पहल के तहत प्राप्त बजटीय सहायता से सी-डॉट ने अपने आसपास तथा वातावरण की साफ-सफाई को बढ़ावा देने, उसे बनाए रखने के लिए अनेक गतिविधियां की।

- दिल्ली और बेंगलुरु परिसरों में हरियाली बरकरार रखने के लिए साफ-सफाई पर नए सिरे से बल दिया गया और सी-डॉट में हर 50 मीटर के फासले पर पुनःचक्रण और गैर-पुनःचक्रण कूड़ेदान रखे गए।

- स्वच्छ भारत के लिए समाज सेवा इस साल का फोकस रहा और भवन से सटी सड़क की साफ सफाई बरकरार रखने पर बल दिया गया। प्रवेश द्वार पर पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान रखवाए गए, जो आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों की पहुंच में थे।

- 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत स्वच्छता एक्शन प्लान (एसएपी) के लिए परिसर के प्रवेश द्वार पर पुरुषों के लिए शौचालय का मिशन के रूप में निर्माण करवाना समाज सेवा के प्रति समर्पित साफ-सफाई का एक अन्य और बेहद महत्वपूर्ण पहलु था। प्रवेश द्वार पर उचित पहचानसूचक बोर्ड लगाकर इसके बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई।

- माली, सुरक्षाकर्मी, सड़क और खुले क्षेत्र की साफ-सफाई के लिए काम करने वाले हाउसकीपिंग कर्मचारी जैसे ठेके पर कार्यरत कामगारों के लिए कैंटीन एरिया में दो अन्य साझा शौचालय भी समाज सेवा के तहत बनवाए गए।

- वॉटर आर ओ पर आधारित दो वॉटर कूलर लगाए। इनमें से एक प्रवेश द्वार पर और दूसरा समाज सेवा के लिए ठेके वाले कर्मचारियों की कैंटीन में लगाया गया।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

सी–डॉट में हिंदी को प्रोत्साहन

सी–डॉट और राजभाषा: गतिविधियों की झलक

सी–डॉट भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के गंभीर प्रयास कर रहा है। कर्मचारियों में जागरूकता फैलाने के लिए, सी–डॉट वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। इस संबंध में सी–डॉट के दिल्ली और बेंगलुरू केंद्रों में कई नवोन्मेषी कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। संगठन प्रमुख की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। प्रासंगिक विषयों पर नियमित रूप से हिंदी कार्यशाला आयोजित की जाती हैं।

- ### हिंदी उत्सव

सी–डॉट हिंदी उत्सव को जश्न के रूप में और सभी की उत्साहपूर्ण भागीदारी से मनाता है। यह सिर्फ एक पखवाड़े तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह उत्साह पूरे साल बरकरार रहता है।

वर्ष 2017–2018 के दौरान दिल्ली और बेंगलुरु के कार्यालयों में हिंदी उत्सव पूरे सितंबर के महीने मनाया गया।

इस अवधि के दौरान बेंगलुरु कार्यालय में एक नया और अनूठा कार्यक्रम **"मुशायरा थिएटर"** आयोजित किया गया, जिसे सभी कर्मचारियों ने पसंद किया। इस कार्यक्रम के अलावा विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे उच्चारण, कविता पाठ, डम शेराड, मौखिक प्रश्नोत्तरी, आशु–भाषण, सुलेख, श्रुतलेख और तस्वीर बोलती है, आयोजित किए गए। इसके अलावा एक तकनीकी वार्ता भी आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रेरणा के रूप में प्रमाण पत्र और भागीदारी पुरस्कार भी दिए गए थे।

इसी तरह, दिल्ली कार्यालय में भी, अधिकतम लोगों की भागीदारी आकर्षित करने के लिए अभिनव तरीकों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कहानी प्रतियोगिता– **कथा कहानी, कहो अपनी जुबानी**, कविता पाठ प्रतियोगिता– **काव्यांजलि** और हिंदी भाषा, व्याकरण और मुहावरे के ज्ञान का आकलन करने के लिए प्रतिस्पर्धा – **वर्ग पहेली, भाषा ज्ञान एवं मुहावरे** ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भागीदारी की।

- ### संवाद

हिंदी उत्सव **संवाद** नामक कार्यशाला के साथ शुरू किया गया, जिसमें विख्यात तकनीकी गुरु और भाषाविद् श्री बालेंदु शर्मा दाधीच को आमंत्रित किया गया । श्री दाधीच ने समस्त उपलब्ध हिंदी सॉफ्टवेयर और भाषाई समाधानों के बारे में संक्षिप्त जानकारी सहित दुनिया भर में हिंदी कंप्यूटिंग परिदृश्य पर व्यापक प्रस्तुति दी। यह कार्यशाला अत्यधिक ज्ञानवर्धक और दिलचस्प साबित हुई।

- ### कवि-सम्मेलन

सी–डॉट में हिदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के अनुकूल माहौल बनाने के लिए, हर साल एक भव्य कवि सम्मेलन / मुशायरे का आयोजन किया जाता है। इसमें हिंदी / उर्दू कवियों जैसे डॉ. वसीम बरेलवी, डॉ. अशोक चक्रधर, श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी और उभरते कवि श्री चिराग जैन को आमंत्रित किया गया।

- ### कबीर

सी–डॉट में संत, दार्शनिक और कवि कबीर के जीवन पर आधारित एक संगीतमय प्रस्तुति आयोजित की गई थी। कबीर के भाईचारे, प्रेम और सामंजस्यपूर्ण सह–अस्तित्व के संदेश सांप्रदायिक तनाव और शत्रुता से आज की भरी दुनिया में उतने ही प्रासंगिक हैं।

- ### इनसे मिलिए...

इनसे मिलिए... श्रृंखला की शुरुआत ऐसा वातावरण बनाने के प्रयास के साथ शुरू की गई, जिसमें सी–डॉट परिवार के सभी सदस्य भारतीय संस्कृति और भारतीय भाषाओं के प्रति गर्व महसूस कर सकें। इस कार्यक्रम में विशिष्ट क्षेत्रों की जानी–मानी हस्तियों अपनी सफलता की कहानियां साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इससे सी–डॉट के सदस्यों को सफल और प्रतिभाशाली लोगों से मिलने का मौका मिलता है।

इस साल मुख्यधारा की बॉलीवुड फ़िल्मों के साथ-साथ कला सिनेमा में काम करने वाले थियेटर, टेलीविजन और फिल्म अभिनेता आदिल हुसैन को उनकी सफलता की कहानी साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया। असम के एक छोटे शहर ग्वालपाड़ा

के आदिल ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्हें 2017 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में विशेष जूरी पुरस्कार मिला। उन्होंने अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बांग्ला, तमिल, मराठी, मलयालम, नार्वेजियन और फ्रेंच फिल्मों में अभिनय किया है। कलाकार के साथ भेंट बहुत प्रेरणादायक और प्रोत्साहित करने वाली रही।

- **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति में सी-डॉट**

सी-डॉट, दिल्ली ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (दक्षिण दिल्ली) के तत्वावधान में सभी सदस्य कार्यालयों के लिए 28 जुलाई, 2017 को कहानी प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य सभी को भाषा, साहित्य और किताबों से जोड़ना था। चूंकि प्रतिभागियों को अच्छी कहानी खोजने के लिए पुस्तकालयों या हिंदी वेबसाइट्स की मदद लेनी पड़ती है और इस प्रकार उन्हें हिंदी भाषा, साहित्य और किताबों से फिर से जोड़ने का हमारा उद्देश्य पूरा हो गया।

कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में, प्रसिद्ध कहानी लेखिका डॉ. ममता कलिया, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, डॉ. पी. वी. जॉय और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के श्री रामजी बाली विशेष अतिथि और वक्ता थे।

सी-डॉट, बेंगलुरु हर साल नगर राज भाषा कार्यान्वयन समिति, बेंगलुरु के तत्वावधान में हर साल मनाए जाने वाले हिंदी माह के तहत आयोजित होने वाली विभिन्न अंतर-कार्यालयी प्रतियोगिताओं में से एक को प्रायोजित करता आया है। वर्ष 2017 के दौरान "स्मृति परीक्षण" प्रतियोगिता सी-डॉट द्वारा प्रायोजित और आयोजित की गई।

सी-डॉट नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित सभी बैठकों में भाग लेता है।

दूरसंचार विभाग ने वर्ष 2017 के दौरान सी-डॉट बेंगलुरु में राजभाषा से संबंधित निरीक्षण किया और इसकी सराहनीय रिपोर्ट प्राप्त हुई।

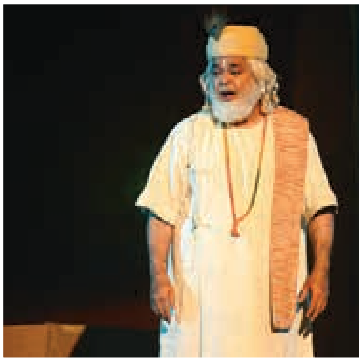

हिंदी उत्सव
2017
संवाद

इनसे मिलिये...

हिंदी उत्सव
2017

हिन्दी उत्सव

सतर्कता जागरूकता पहल

सितम्बर, 2017 में एक पूर्णकालिक मुख्य सर्तकता अधिकारी की नियुक्ति के साथ संगठन में एक पृथक सतर्कता इकाई की स्थापना की गई। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, वर्ष 2017–2018 के दौरान सतर्कता गतिविधियों, मुख्यत: ऐहतियातन सतर्कता के लिए अनेक कदम उठाए गए। विशेष रूप से प्रचालन और अनुरक्षण अनुबंधों से संबंधित पद्धतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई और सुधारात्मक कदम उठाए गए। सी–डॉट के कर्मचारियों ने पहली बार वार्षिक सम्पत्ति रिटर्न वर्ष 2017 के लिए दाखिल की है। इसके अलावा, पहली बार सी–डॉट में संवेदनशील पदों की पहचान की गई। इतना ही नहीं, सभी निविदाओं को सीपीपीपी पोर्टल पर प्रकाशित करने की कार्रवाई भी सी–डॉट में प्रारंभ की गई है।

सतर्कता इकाई द्वारा कुछ अनुबंधों के लिए सीटीई जैसी जांच भी की गईं और सम्पूर्ण सुधार के सुझाव भी दिए गए। प्रशासन के कर्मचारियों और सी–डॉट के ग्रुप लीडर्स के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाइयों पर आधे दिन की कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इतना ही नहीं, लक्षित समूहों में कार्यालय की प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता पैदा की गई। शिकायतों के संबंध में, सीवीसी की शिकायतों से निपटने की नीति के अनुसार, सभी शिकायतों से समय पर निपटा गया।

'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' 2017 का सी–डॉट (दिल्ली और बेंगलुरु, दोनों परिसरों में) में 30 अक्तुबर से 04 नवम्बर, 2017 तक सफल आयोजन किया गया, जिसमें सम्पर्क बनाने की गतिविधियां भी पहली बार संचालित की गई। प्रमुख भाषण डॉ. एस. के. सरकार, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग ने दिया। ज्यादातर कर्मचारियों ने एकता की ई–शपथ ग्रहण की है।

35 लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

37 अंकेक्षित वित्तीय लेखे

49 महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

51 लेखों पर टिप्पणियां

लेखाओं का विवरण

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) के सदस्य

वित्तीय वक्तव्यों पर रिपोर्ट

हमने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (आगे से इसे सी-डॉट या सेंटर लिखा जाएगा) के वित्तीय वक्तव्यों का लेखा परीक्षण किया है जिसमें 31 मार्च, 2018 का तुलनपत्र और सम्पन्न वर्ष का आय और व्यय खाता, इसके अतिरिक्त हमारे द्वारा लेखा परीक्षित सेंटर की इकाइयों के लेखे और लेखा नीतियों का सारांश तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचना शामिल है।

वित्तीय वक्तव्यों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करने का उत्तरदायित्व प्रबंधन का है, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 तथा भारत में आम तौर पर लेखा के स्वीकृत सिद्धांतों के अनुरूप सेंटर की वित्तीय स्थिति और वित्तीय निष्पादन के बारे में सत्य एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण उपलब्ध कराते हैं। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय वक्तव्य की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रख-रखाव शामिल है, जो सत्य एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण उपलब्ध कराता है और जो धोखाधड़ी या चूक की वजह से तथ्यात्मक अशुद्ध कथन से मुक्त है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व है कि हम अपने लेखा परीक्षण पर आधारित वित्तीय वक्तव्यों के बारे में अपनी राय दें। हमने अपना लेखा परीक्षण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से जारी लेखा परीक्षण मानकों के अनुरूप किया है। इन मानकों के अंतर्गत यह जरूरी होता है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करें और लेखा परीक्षण की योजना बनाने और उन्हें करने के लिए हम इस बारे में वाजिब आश्वासन प्राप्त करें कि वित्तीय विवरण में कुछ गलत नहीं दिखाया गया है।

लेखा परीक्षण वित्तीय वक्तव्यों में दिखाई गई रकम और जानकारी के प्रमाण प्राप्त करने की प्रक्रिया से संबंधित होता है। प्रक्रिया का चयन वित्तीय लेखा परीक्षक के निर्णय पर निर्भर करता है। इसमें वित्तीय वक्तव्यों में धोखाधड़ी या चूक के कारण गलत जानकारी दिए जाने के जोखिम के आकलन शामिल होता है। उन जोखिमों का आकलन करते समय लेखा परीक्षक लेखा प्रक्रिया तैयार करने की दृष्टि से वित्तीय वक्तव्य की तैयारी और निष्पक्ष प्रस्तुतिकरण से सम्बद्ध सेंटर के आंतरिक नियंत्रण पर विचार करता है, जो उन परिस्थितियों में उपयुक्त हों। लेखा परीक्षण के तहत प्रयुक्त की गई लेखा नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन के लेखा प्राक्कलनों की तर्कसंगति का आकलन साथ ही साथ वित्तीय वक्तव्यों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है।

हमारा मानना है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखा प्रमाण हमारी लेखा राय के लिए आधार मुहैया कराने के लिए पर्याप्त और उचित है।

राय

हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में और हमें उपलब्ध कराई गई व्याख्याओं के अनुसार, उपर्युक्त वित्तीय विवरण यथा-अपेक्षित तरीके से सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 द्वारा आवश्यक जानकारी देता है और भारत में आमतौर पर मान्य लेखा-सिद्धांतों के अनुसार सही और निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करता है।

क) तुलन पत्र के मामले में 31 मार्च 2018 को सेंटर की स्थिति और

ख) आय और व्यय खाता के मामले में इस तिथि को समाप्त वर्ष को आय से अधिक व्यय

कृते मैसर्स जे. सी. भल्ला एंड कम्पनी
सनदी लेखपाल
कम्पनी पंजीकरण संख्या 001111एन

हस्ताक्षरित
(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता संख्या: 505002

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: अगस्त 25, 2018

31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र

(रुपये में)

विवरण	अनुसूची सं.	2018	2017
समग्र / पूंजीगत निधि और देयताएं			
समग्र / पूंजीगत निधि	1	4,05,49,01,722.88	3,27,65,56,565.50
चालू देयताएं और प्रावधान	2	1,39,88,38,154.39	1,18,95,81,656.64
योग		**5,45,37,39,877.27**	**4,46,61,38,222.14**
परिसम्पत्तियां			
स्थाई परिसम्पत्तियां	3		
सकल मान		6,22,35,94,676.10	5,90,39,47,190.71
घटाएं: मूल्यह्रास		5,18,20,80,285.28	4,93,95,23,016.56
निवल मान		1,04,15,14,390.82	96,44,24,174.15
मार्गस्थ परिसम्पत्ति	3	16,11,200.90	1,97,923.50
पूंजीगत कार्य प्रगति में	4	62,52,840.00	62,52,840.00
निवेश- दीर्घकालीन	5	.	.
चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा	6	4,40,43,61,445.55	3,49,52,63,284.49
योग		**5,45,37,39,877.27**	**4,46,61,38,222.14**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	14
लेखांकन के संबंध में टिप्पण एवं आनुषंगिक देयताएं	15

अनुसूचियां 1 से 15 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते मैसर्स जे. सी. भल्ला एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 001111एन

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स के बोर्ड
के निमित्त और उसकी ओर से

हस्ताक्षरित
(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता संख्या 505002

हस्ताक्षरित
(जी. मुकुंदन)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ताक्षरित
(विपिन त्यागी)
कार्यकारी निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 25 अगस्त 2018

आय और व्यय लेखे

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए

(रुपये में)

विवरण	अनुसूची सं.	2018	2017
आय			
टीओटी, रॉयल्टी, टीएसआर / एफएसआर तथा प्रकाशन	7	1,08,65,29,588.50	73,78,58,404.75
अर्जित ब्याज	8	5,20,17,569.23	4,71,83,617.57
अन्य आय	9	8,24,15,215.95	6,46,92,725.39
योग (क)		**1,22,09,62,373.68**	**84,97,34,747.71**
व्यय			
स्थापना व्यय	10	2,09,94,14,048.61	1,83,21,14,291.76
प्रचालन व्यय	11	63,91,52,228.91	76,19,64,960.55
अन्य प्रशासनिक व्यय	12	34,04,56,696.37	55,63,67,116.33
मूल्यह्रास	3	24,25,57,877.72	30,50,34,666.74
योग (ख)		**3,32,15,80,851.61**	**3,45,54,81,035.38**
इस वर्ष की आय से अधिक व्यय [(ख – क)]		2,10,06,18,477.93	2,60,57,46,287.67
जोड़ें / घटाइए :			
पिछले वर्षो से संबंधित समायोजन राशि	13	(89,63,635.31)	(67,15,977.61)
विशिष्ट व्यय		.	35,22,89,250.00
आय से अधिक व्यय होने की अधिक राशि का शेष		**2,09,16,54,842.62**	**2,95,13,19,560.06**
जोड़े: पिछले वर्षो की आय से अधिक व्यय		25,07,83,96,596.62	22,12,70,77,036.56
समग्र निधि / पूंजीगत निधि से अग्रेनीत घाटा का शेष		**27,17,00,51,439.24**	**25,07,83,96,596.62**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीति	14		
लेखांकन के संबंध में टिप्पण तथा आनुषंगिक देयताएं	15		

अनुसूचियां 1 से 15 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं।

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते मैसर्स जे. सी. भल्ला एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 001111एन

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स के बोर्ड
के निमित्त और उसकी ओर से

हस्ताक्षरित
(अखिल भल्ला)
भागीदार
सदस्यता संख्या 505002

हस्ताक्षरित
(जी. मुकुंदन)
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ताक्षरित
(विपिन त्यागी)
कार्यकारी निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 25 अगस्त 2018

अनुसूची 1– समग्र / पूंजीगत निधि

(31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
इलेक्ट्रॉनिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से अनुदान (पूर्व में इलेक्ट्रॉनिकी विभाग)		
संचित शेष राशि	33,52,00,000.00	33,52,00,000.00
उप-योग (क)	**33,52,00,000.00**	**33,52,00,000.00**
दूरसंचार विभाग से अनुदान		
वर्ष के प्रारंभ में शेष राशि	28,01,97,53,162.12	24,86,97,53,162.12
जोड़ें: वर्ष के दौरान समग्र / पूंजीगत निधि के प्रति अंशदान	2,87,00,00,000.00	3,15,00,00,000.00
उप-योग (ख)	**30,88,97,53,162.12**	**28,01,97,53,162.12**
योग [(क+ख)]	**31,22,49,53,162.12**	**28,35,49,53,162.12**
घटाएं: आय और व्यय लेखा के अंतरित निवल व्यय की शेष राशि	27,17,00,51,439.24	25,07,83,96,596.62
कुल योग	**4,05,49,01,722.88**	**3,27,65,56,565.50**

अनुसूची 2– चालू देयताएं एवं प्रावधान

(31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
क. चालू देयताएं		
1. विविध लेनदार		
क) सामान के लिए	18,01,11,135.56	20,23,96,307.24
ख) अन्य	9,38,05,674.45	8,74,30,627.90
2. विविध लेनदार		
– सामान के लिए	31,92,35,495.60	8,59,10,329.60
3. सांविधिक देयताएं	15,76,35,570.00	3,31,02,661.00
4. अन्य चालू देयताएं	15,47,19,835.78	29,56,48,974.90
उप-योग (क)	**90,55,07,711.39**	**70,44,88,900.64**
ख. प्रावधान		
1. ग्रेच्यूटी	97,75,001.00	3,61,01,469.00
2. अर्जित अवकाश	48,35,55,442.00	44,89,91,287.00
उप-योग (ख)	**49,33,30,443.00**	**48,50,92,756.00**
योग (क+ख)	**1,39,88,38,154.39**	**1,18,95,81,656.64**

अनुसूची 3– स्थाई परिसम्पत्तियां

(31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01-04-2017 को	वृद्धियां	समायोजन बट्टे खाते में	31-03-2018 को	01-04-2017 को	वर्ष के दौरान	समायोजन बट्टे खाते में	31-03-2018 को	31-03-2018 को	31-03-2017 को
क) स्थायी परिसंपत्तियां										
भूमि – फ्रीहोल्ड	12,00,00,000.00	–	–	12,00,00,000.00	–	–	–	–	12,00,00,000.00	12,00,00,000.00
भवन – कार्यालय	57,01,80,967.65	–	–	57,01,80,967.65	40,82,02,324.17	1,61,97,864.35	–	42,44,00,188.52	14,57,80,779.13	16,19,78,643.48
भवन – आवासीय	2,36,27,434.00	–	–	2,36,27,434.00	1,54,92,432.48	4,06,750.08	–	1,58,99,182.56	77,28,251.44	81,35,001.52
अनुसंधान तथा विकास मशीनरी	1,97,76,59,801.29	10,20,18,718.29	–	2,07,96,78,519.58	1,60,06,00,935.53	7,18,61,635.50	–	1,67,24,62,571.03	40,72,15,948.55	37,70,58,865.76
अनुसंधान तथा विकास कम्प्यूटर	2,45,84,99,493.50	19,31,98,013.20	–	2,65,16,97,506.70	2,32,76,29,124.99	12,96,89,456.49	–	2,45,73,18,581.48	19,43,78,925.22	13,08,70,368.51
कार्यालय उपस्कर एवं सामान	37,20,40,789.56	1,47,06,612.00	–	38,67,47,401.56	30,70,86,113.32	1,19,84,621.63	–	31,90,70,734.95	6,76,76,666.61	6,49,54,676.24
फर्नीचर और फिटिंग्स	32,38,63,584.23	86,81,317.00	–	33,25,44,901.23	22,24,36,965.59	1,13,74,115.77	–	23,38,11,081.36	9,87,33,819.87	10,14,26,618.64
पुस्तकालय की पुस्तकें	5,80,75,120.48	10,43,433.90	(609.00)	5,91,17,945.38	5,80,75,120.48	10,43,433.90	(609.00)	5,91,17,945.38	–	–
योग	**5,90,39,47,190.71**	**31,96,48,094.39**	**(609.00)**	**6,22,35,94,676.10**	**4,93,95,23,016.56**	**24,25,57,877.72**	**(609.00)**	**5,18,20,80,285.28**	**1,04,15,14,390.82**	**96,44,24,174.15**
पिछले वर्ष का योग	5,46,70,05,671.75	43,69,48,768.96	(7,250.00)	5,90,39,47,190.71	4,63,44,92,699.82	30,50,34,666.74	(4,350.00)	4,93,95,23,016.56	96,44,24,174.15	83,25,12,971.93
ख) मार्गस्थ परिसंपत्तियां									16,11,200.90	1,97,923.50

अनुसूची 4– पूंजीगत कार्य प्रगति पर

(31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)।

विवरण	01-04-2017	वृद्धियां	स्थायी परिसम्पतियों के खाते में अंतरण	31-03-2018 को
परिसर – दिल्ली				
परिसर – आवासीय भवन	62,52,840.00	–	–	62,52,840.00
योग	**62,52,840.00**	**–**	**–**	**62,52,840.00**
पिछले वर्ष का शेष	48,58,512.00	13,94,328.00	–	62,52,840.00

अनुसूची 5– निवेश – दीर्घकालीन

(31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी की संख्या	प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य (रु)	2018	2017
अनुद्घृत (लागत पर)				
संयुक्त उद्यम कम्पनी				
सी-डॉट अलकाटेल लूसेंट रिसर्च सेंटर प्रा. लि. (सीएआरसी)	5,20,00,000	10	52,00,00,000.00	52,00,00,000.00
घटाएं: अशोध्य व संदिग्ध निवेश का प्रावधान			52,00,00,000.00	52,00,00,000.00
योग			–	–

अनुसूची 6– चालू परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा राशि

(31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार तुलनपत्र का भाग)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
क. चालू परिसम्पत्तियां		
1. सामान सूची (प्रबंधन मंडल द्वारा अधीनीकृत और प्रमाणित)		
क) सामान सूची	63,14,45,010.23	65,25,28,195.48
ख) मार्गस्थ सामान सूची	95,90,755.90	22,85,158.28
	64,10,35,766.13	**65,48,13,353.76**
2. विविध देनदार		
क) छः माह से ज्यादा की देनदारी	61,39,52,660.20	53,23,03,992.73
ख) अन्य	1,08,75,99,474.00	48,44,21,345.00
	1,70,15,52,134.20	**1,01,67,25,337.73**
घटाएं:– अशोध्य और संदिग्ध विविध ऋण के लिए प्रावधान	1,89,37,915.00	3,59,33,244.00
	1,68,26,14,219.20	**98,07,92,093.73**
3. बैंक में जमा राशि		
क) अनुसूचित बैंकों में		
चालू खातों में	61,13,729.29	5,22,128.29
जमाखातों में	1,18,80,00,000.00	20,00,00,000.00
बचत खातों में	29,59,00,920.26	1,08,90,31,086.60
	1,49,00,14,649.55	1,28,95,53,214.89
योग (क)	**3,81,36,64,634.88**	**2,92,51,58,662.38**
ख. ऋण और अग्रिम		
1. ऋण		
क) स्टाफ	56,15,122.00	62,15,272.00
ख) सीएआरसी प्रा. लि.	18,45,78,500.00	18,45,78,500.00
	19,01,93,622.00	**19,07,93,772.00**
घटाएं – अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण का प्रावधान – सीएआरसी (प्रा.) लि.	18,45,78,500.00	18,45,78,500.00
	56,15,122.00	**62,15,272.00**
2. अग्रिम और अन्य राशियां, जिनकी वसूली नकद या वस्तु के रूप में की जानी है		
क) ठेकेदार और आपूर्तिकर्ता	17,27,44,864.08	20,07,01,949.56
ख) कर्मचारी	34,27,405.73	41,89,867.00
ग) पूर्वदत्त खर्चे	1,45,54,179.43	1,50,21,395.76
	19,07,26,449.24	**21,99,13,212.32**
3. उपार्जित ब्याज		
क) कर्मचारी ऋण	8,76,643.46	15,99,393.26
ख) बैंक जमा राशि पर	84,05,363.22	61,91,146.63
ग) सीएआरसी ऋण	5,98,58,060.00	5,98,58,060.00
	6,91,40,066.68	**6,76,48,599.89**
4. वसूली योग्य दावे	26,35,02,545.31	25,88,37,721.31
घटाएं: वसूलीयोग्य, अशोध्य तथा संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	19,78,41,104.35	19,78,41,104.35
	6,56,61,440.96	**6,09,96,616.96**
5. स्रोत पर कर कटौती	24,19,54,271.06	20,26,40,230.06
6. इनपुट टैक्स क्रेडिट	81,55,707.73	29,81,087.88
योग (ख)	**58,12,53,057.67**	**56,03,95,019.11**
ग. जमा राशि		
1. कार्यालय भवन	1,20,500.00	1,20,500.00
2. अन्य	93,23,253.00	95,89,103.00
योग (ग)	**94,43,753.00**	**97,09,603.00**
योग (क+ख+ग)	**4,40,43,61,445.55**	**3,49,52,63,284.49**

अनुसूची 7– प्रौद्योगिकी हस्तातंरण, रॉयल्टी, टीएसआर / एफएसआर तथा प्रकाशन से आय

(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रुप में)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
1. राजस्व से आय	14,43,14,355.00	.
2. प्रौद्योगिकी हस्तातंरण से आय	2,46,00,000.00	1,85,50,000.00
3. प्रौद्योगिकी / फील्ड समर्थन से आय (टीएसआर / एफएसआर)	91,74,79,413.00	71,92,09,241.00
4. प्रकाशनों से आय	1,35,820.50	99,163.75
योग	**1,08,65,29,588.50**	**73,78,58,404.75**

अनुसूची 8– अर्जित ब्याज
(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रुप में)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
1. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा राशि पर	4,41,09,312.73	3,50,54,761.59
2. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	59,26,374.30	49,44,362.02
3. कर्मचारियों को दिए गए ऋण पर	6,77,344.20	9,10,635.96
4. अन्य को दिए ऋण पर	11,10,504.00	22,14,939.00
5. अन्य	1,94,034.00	40,58,919.00
योग	**5,20,17,569.23**	**4,71,83,617.57**

अनुसूची 9– अन्य आय
(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रुप में)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
1. किराए से आय	4,13,75,264.00	4,21,17,208.00
2. विदेशी मुद्रा के लेन-देन के कारण लाभ	18,48,748.53	7,77,386.84
3. अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण की वसूली	1,69,95,329.00	.
4. विविध आय	2,21,95,265.42	2,17,98,130.55
5. परिसम्पत्तियों की बिक्री / निपटान पर लाभ	609.00	.
योग	**8,24,15,215.95**	**6,46,92,725.39**

अनुसूची 10– स्थापना व्यय

(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रुप में)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
क) वेतन और मजदूरी	1,55,29,58,902.00	1,40,26,97,675.00
ख) बोनस	13,86,205.00	30,72,336.00
ग) भविष्य निधि में अंशदान	15,99,43,069.00	10,85,35,931.00
घ) अन्य निधि में अंशदान	1,44,02,576.00	1,50,29,522.00
ड.) कर्मचारियों को प्रदत्त ग्रेच्यूटी	6,97,75,001.00	3,61,01,469.00
च) कर्मचारीवृन्द कल्याण व्यय	28,70,61,768.00	24,45,24,399.00
छ) आवासीय किराया और अनुरक्षण व्यय	24,45,136.00	1,66,66,607.00
ज) भर्ती एवं प्रशिक्षण व्यय	1,14,41,391.61	54,86,352.76
योग	**2,09,94,14,048.61**	**1,83,21,14,291.76**

अनुसूची 11– प्रचालन व्यय

(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रुप में)

(रुपये में)

विवरण	2018	2017
क) अनुसंधान एवं विकास संघटक और उपभोज्य	32,95,76,681.46	41,45,15,605.00
ख) भाड़ा और अग्रेषण प्रभार	2,04,30,532.24	2,68,12,350.82
ग) अनुसंधान एवं विकास और कार्यालय उपकरणों की मरम्मत तथा अनुरक्षण	7,20,13,910.21	7,30,23,703.73
घ) अभिकल्प, विकास एवं प्रौद्योगिकी समर्थन व्यय	14,94,67,058.00	20,13,34,546.00
ड.) परामर्श, प्रशिक्षु प्रशिक्षण और तकनीकी सेवाओं के लिए खर्च	6,49,09,566.00	4,45,37,049.00
च) परीक्षण व्यय	27,54,481.00	17,41,706.00
योग	**63,91,52,228.91**	**76,19,64,960.55**

अनुसूची 12– अन्य प्रशासनिक आय

(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रुप में)

(रुपये में)

विवरण		2018		2017
क) यात्रा और वाहन व्यय		5,61,17,514.32		4,94,37,083.62
ख) वाहन किराया प्रभार		35,66,986.50		32,84,394.00
ग) किराया, दरें और कर		52,21,661.00		51,29,270.00
घ) ब्याज / जुर्माना भुगतान		1,40,877.00		–
ड.) विद्युत एवं जल व्यय		10,00,00,524.00		14,21,62,416.73
च) मरम्मत और अनुरक्षण – अन्य		10,12,18,724.00		8,84,85,474.48
छ) समाचार पत्र, पत्रिकाएं और जर्नल		64,27,652.28		37,40,010.50
ज) बीमा प्रभार		9,88,540.00		10,33,376.00
झ) मुद्रण, लेखन सामग्री, फोटोकॉपी, प्रशासन संबंधी उपभोज्य		1,16,23,309.34		1,04,56,238.63
ञ) डाक टिकट, टेलीफोन और सम्प्रेषण		1,32,83,662.58		1,49,01,717.40
ट) प्रदर्शनी, विज्ञापन और प्रचार व्यय		2,20,38,368.00		1,93,41,865.00
ठ) सम्मेलन / संगोष्ठी / सदस्यता शुल्क और मानदेय		72,17,247.50		62,51,500.50
ड) विधिक, व्यावसायिक शुल्क और मानदेय		45,35,132.00		83,25,981.04
ढ) पेटेंट शुल्क		47,60,428.00		23,58,514.00
ण) लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक				
अंकेक्षण शुल्क	3,00,000.00		3,00,000.00	
तुरंत देय व्यय	1,08,490.00	4,08,490.00	80,551.00	3,80,551.00
त) आतिथ्य / मनोरंजन व्यय		57,075.00		70,662.00
थ) बैंक प्रभार		19,03,846.80		21,26,189.73
द) विदेशी मुद्रा के लेन-देन के कारण घाटा		9,26,958.05		9,96,334.35
ध) विविध आय		19,700.00		44,433.00
न) अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण		–		19,78,41,104.35
योग		**34,04,56,696.37**		**55,63,67,116.33**

अनुसूची 13– पूर्व वर्षो से संबंधित समायोजन (निवल)

(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय के भाग के रुप में)

(रुपये में)

विवरण	2018		2017	
	नामे	जमा	नामे	जमा
आय				
टीओटी, रॉयल्टी, टीएसआर / एफएसआर तथा प्रकाशन	–	–	–	–
अर्जित ब्याज	4,20,226.00	–	–	–
अन्य आय	–	–	–	1,47,506.00
व्यय				
स्थापना व्यय	6,13,422.00	–	1,41,644.00	–
प्रचालन व्यय	–	1,01,47,777.64	–	87,11,587.51
अन्य प्रशासनिक व्यय	1,50,494.33	–	20,05,821.90	–
मूल्यह्रास	–	–	–	4,350.00
योग	11,84,142.33	1,01,47,777.64	21,47,465.90	88,63,443.51
निवल जमा		**89,63,635.31**		**67,15,977.61**

अनुसूची 14: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के भाग के रूप में)

1. लेखा पद्धति

क) वित्तीय विवरण, लेखाओं के प्रोद्भवन के आधार पर पुरानी लागत पद्धति के अधीन भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृति लेखा सिद्धांतो और मानकों तथा संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

2. प्राक्कलनों का इस्तेमाल

क) वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु आवश्यक है कि ऐसे प्राक्कलन और अनुमान व्यक्त किए जाएं, जो वित्तीय विवरण की तारीख तक प्रतिवेदित परिसम्पत्तियों और दायित्वों की राशि तथा उसी अवधि में अर्जित आय और खर्चों को प्रभावित करें। वास्तविक परिणामों और प्राक्कलनों में अंतरों की पहचान उसी अवधि में की गई है, जिसमें वे ज्ञात/प्रकट हुए हैं।

3. अचल परिसंपत्तियां

क) अचल परिसंपत्तियां की लागत संचित मूल्यह्रास और मूल्य में किसी भी तरह की हानि को घटाकर निर्दिष्ट की जाती हैं। अचल परिसम्पत्तियों की लागत में खरीद मूल्य और उस परिसम्पत्ति को वांछित उपयोग में लाने के लिए किसी भी प्रकार की आरोप्य लागत शामिल होती है।

ख) परिसम्पत्तियां, जिनमें से प्रत्येक की लागत 5000 रुपए अथवा कम है, उन सभी का पूंजीकरण तथा मूल्यह्रास उनकी प्राप्ति वाले वर्ष में ही एक रुपया कम करके 100 प्रतिशत मूल्य पर किया गया है।

ग) पुस्तकालय की पुस्तकों को उनके मूल्य पर विचार न करते हुए पूंजी में परिणत किया गया है।

घ) अचल परिसम्पत्तियों से सम्बद्ध किसी मद पर बाद में होने वाले खर्च को उसकी बुक वेल्यू के साथ तभी जोड़ा जाता है, जब वह वर्तमान में परिसम्पत्ति से प्राप्त होने वाले लाभ में पहले से आकलित प्रदर्शन के मानकों से बढ़ जाए।

ड.) प्रबंधन वर्ष के अंत में अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन और वित्तीय रिकार्ड के साथ उनका मिलान कराता है। यह कार्य सी-डॉट में इस कार्य की प्रकृति / आकार को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

4. मूल्यह्रास

क) आयकर नियमावली 1962 (नियम) के परिशिष्ट-। के प्रावधान, जो समय-समय पर संशोधित किये जाते रहे हैं, वे निम्नलिखित अपवादों के साथ प्रयुक्त किए गए हैं:

1). वर्ष के दौरान प्रयुक्त अचल परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास नियमों के प्रावधान के अनुसार संपूर्ण वर्ष के लिए पूरी दरों पर किया जाता है।

2). वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकालय की पुस्तकों का उसी वर्ष पूरी तरह मूल्यह्रास होता है।

3). वर्ष के दौरान बेची, बेकार अथवा गुम हुई या निपटान की गई परिसंपत्तियों के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं किया जाता।

5. माल-सूची का मूल्यांकन

क) स्टोर और पुर्जे (मशीनरी के पुर्जा सहित) का मूल्यांकन 'लागत' पर किया गया है। लागत की गणना अधिभारित औसत पद्धति से की गई है। इनकी लागत में सामान्य कारोबार के दौरान ऐसे संघटकों को उनकी जगह लाने पर होने वाला खर्च शामिल है और जहां लागू हों, इसमें अतिरिक्त खर्चे भी शामिल हैं।

ख) माल-सूची के वास्तविक मूल्यांकन के समय अप्रचलित, धीमे और दोषपूर्ण सामान की पहचान की जाती है और जहां जरूरत हो ऐसे सामान के प्रावधान किए गए हैं।

6. निवेश

क) वर्तमान निवेश को कम लागत और उचित बाजार मूल्य पर आंका गया है।

ख) संयुक्त उद्यमों में लगाई जाने वाली पूंजी सहित दीर्घावधिक निवेश लागत पर किया गया है। जरूरत पड़ने पर दीर्घकालिक निवेशों के मूल्यांकन में अस्थायी के अलावा, गिरावट की पहचान करने के लिए प्रावधान किए गए हैं।

7. सहायतार्थ प्राप्त अनुदान का लेखा

क) सरकार से प्राप्त अनुदान राशि को "कॉरपस / पूंजीगत कोष" के रूप में दिखाया गया है।

ख) प्रशासनिक मंत्रालय की ओर से जारी मंजूरी ज्ञापन की तिथि के आधार पर इनका लेखांकन किया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

क) सेंटर द्वारा दूरसंचार प्रचालकों और अन्य एजेंसियों के लिए संचालित परियोजनाओं के संबंध में, इन सभी से संबंध खर्च और आय का लेखांकन क्रमश: खर्च / आय के आधार पर सिर्फ तभी किया जाता है, जब परियोजना से संबंधित लक्ष्य हासिल कर लिया जायें। जहां वे लक्ष्य/स्वीकृतियां प्राप्त नही हुई है, परियोजना के खाते में उपलब्ध बाकी रकम को तुलनपत्र में अग्रिम/प्राप्य के रूप में दर्शाया गया है।

ख) आय की पहचान उस हद तक की गई है, जो प्राक्कलित / निश्चित हो कि सेंटर को वे आर्थिक लाभ मिलेंगे और वास्तव में उसे मापा जा सकता हो। जहां सेंटर अंतिम संचयन का आकलन पूरे विश्वास से नहीं कर सकता, वहां राजस्व मान्यता स्थगित की गई है और उसे तभी मान्यता दी गई है, संचयन समुचित रुप निश्चित हो।

9. विदेशी मुद्रा में लेन-देन

क) विदेशी मुद्रा में लेन-देन का विवरण, लेन-देन से संबंधित तारीख वाले दिन की विनिमय दर तथा लेन-देन की तिथि और भुगतान / प्राप्ति / संग्रहण के बीच अंतर को, जो भी मामला हो, आय या व्यय के रूप में दिया गया है।

ख) विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट वर्तमान मौद्रिक परिसम्पत्तियों और वर्तमान देयताओं को वर्ष के आखिर में प्रचलित विनिमय दर परिवर्तित किया गया है और लब्ध लाभ / हानि को राजस्व खाते में समायोजित किया गया है। सामग्री/सेवाओं के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को दी गई अग्रिम राशि को गैर-मौद्रिक परिसम्पत्तियां माना गया है और इस कारण उनका उल्लेख लेन-देन की तारीख वाले दिन की विनिमय दर का इस्तेमाल करते हुए किया गया है।

ग) विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट आकस्मिक देयताएं उस वर्ष के आखिर में जारी विनिमय दर पर परिवर्तित की गई है।

10. सेवानिवृत्ति और अन्य कर्मचारी लाभ

क) सेंटर के पास अपने कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी के लिए परिभाषित लाभ योजना है। इस योजना के तहत लाभ प्रदान करने की लागत साल के आखिर में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यूनिट क्रेडिट मैथॅड का इस्तेमाल करते हुए आंकी गई है। परिभाषित लाभ योजना के लिए बीमांकिक लाभ या हानि की पहचान उस पूरी अवधि में की गई है, जब वे लाभ या हानि के विवरण में प्रकट हुए।

ख) क्षतिपूरित अनुपस्थितियों के प्रावधानों का उल्लेख साल के आखिर में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर यूनिट क्रेडिट मैथॅड का इस्तेमाल करते हुए किया गया है।

11. पूर्व वर्षो से संबंधित समायोजन

एक या अधिक पूर्ववर्ती वर्षों में दोष / कमियां चालू वर्ष के दौरान समायोजन उस समय जरूरी हो जाता है, जब उन्हें पूर्व अवधि के मद मान लिया जाए, वह भी तब, जब प्रत्येक का मूल्य पांच हजार रुपए से अधिक हो जाए।

12. प्रावधान और आकस्मिक देयताएं

क) सेंटर उस समय प्रावधान करता है, जब कोई वर्तमान देयता किसी बाध्यकारी घटना का परिणाम हो, जिसे सम्भवत: संसाधनों के बहिर्गमन की जरूरत हो और जब बहिर्गमन की मात्रा का विश्वसनीय प्राक्कलन किया जा सकता हो।

ख) आकस्मिक देयता की जानकारी वहां दी गई है, जहां सम्भावित देयता या वर्तमान देयता है, जिसे सम्भवत: लेकिन संसाधनों के बहिर्गमन की जरूरत नहीं है। जहां सम्भावित देयता या वर्तमान देयता है, जिसके लिए संसाधनों के बहिर्गमन की सम्भावना कम है, प्रबंधन के दृष्टिकोण के अनुसार, कोई प्रावधान या खुलासा नहीं किया गया है।

अनुसूची 15: लेखाओं पर टिप्पणियां

(31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा के भाग के रूप में)

खंड- ए: तुलनपत्र

1.0 अचल संपत्तियां

अचल संपत्तियों में नई दिल्ली में 40 एकड़ भूमि (पिछले वर्ष में 40 एकड़) शामिल है, जिसे 1993 में भारत सरकार से अधिग्रहीत किया गया था। यह भूमि, सेंटर के नाम पर औपचारिक तौर पर हस्तांतरित नहीं होने के बावजूद फ्री होल्ड समझी जाती है।

2.0 पूंजीगत कार्य प्रगति पर

क) यह वर्ष 2008-09 से 31-03-2018 तक दिल्ली स्थित परिसर में प्रस्तावित आवासीय सुविधा पर संचयी खर्च का प्रतिनिधित्व करता है। इस दौरान 62.53 लाख रुपये (पिछले वर्ष 62.53 लाख रुपये) खर्च किए गए।

ख) आवास सुविधा के पूर्ण होने पर, इस शीर्ष के अंतर्गत व्यय का पूंजीकरण समुचित रूप से "अचल परिसंपत्ति" के अंतर्गत किया जाएगा।

3.0 सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा.लि. में निवेश

क) सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा.लि. दूरसंचार के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान में संलग्न संयुक्त उपक्रम कंपनी है। इस संयुक्त उद्यम में सेंटर की अंश पूंजी 5200.00 लाख रुपये है।

ख) उक्त कंपनी को संचित हानि हुई और उसकी नेट वर्थ पूरी तरह खत्म हो गई थी, अत: इन लेखाओं में उक्त निवेश 'अशोध्य तथा संदेहास्पद निवेश' के लिए प्रावधान किया गया था, जो पिछले वर्ष 5200.00 लाख रुपये हो गई थी। कंपनी के प्रमोटर्स में से एक होने के नाते, सी-डॉट को उसकी संभावनाओं के बारे में सरकार के निर्देशों का इंतजार है।

4.0 वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम और जमा

क) माल-सूची:

1) संघटक के तौर पर 521.75 लाख रुपये की राशि 31-03-2018 को थी (पिछले वर्ष 277.93 लाख रुपये) जो 3 वर्ष से अधिक समय तक तुलनपत्र की तिथि को वैसी ही रही। प्रबंधन का विचार है कि इन संघटकों की आवश्यकता सेंटर के भावी अनुसंधान एवं विकास कार्यों और फील्ड अनुरक्षण गतिविधियों में हो सकती है।

2) उन संघटकों का मूल्य जिन्हें विगत् वर्षों में खरीदा गया और मांगकर्ताओं को जारी किया गया और उन्हें संबंधित वर्ष के खाते में इस्तेमाल किया गया मान लिया गया, लेकिन जिसके एक भाग को संबंधित ग्रुप ने चालू वर्ष के दौरान अप्रयुक्त बताते हुए लौटा दिया- 149.94 लाख रुपये (पिछले वर्ष 118.15 लाख रुपए)

ख) 31-03-2018 को 17015.52 लाख रुपए के विभिन्न देनदारों में शामिल है (पूर्व वर्ष 10167.25 लाख रुपए):

1) प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और लाइसेंसधारियों से रॉयल्टी के जरिए शुल्क 31-03-2018 को- 2598.95 लाख रुपए (पिछले वर्ष 2337.18 लाख रुपये) लम्बित था। सेंटर की ओर से वर्ष 2005 से सम्बद्ध लाइसेंसधारी की अधिगृहीत/ कब्जे में की गई बेंगलुरु की जमीन और इमारतों की कीमत से उसे पूरी तरह प्राप्त किया जा सका है।

2) दूरसंचार कंपनियों को प्रौद्योगिकी / फील्ड सहायता सेवाएं 31-03-2018 को 10150.06 लाख रुपए पर दी गई (पूर्व वर्ष 7157.57 लाख रुपए), इन्हें अच्छी और पूरी तरह प्राप्य माना जाता है।

3) मैसर्ज पीसीएल के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं रॉयल्टी की बकाया राशि 31-03-2018 को 189.38 लाख रुपए थी (पूर्व वर्ष 189.38 लाख रुपए), इन लेखाओं में अशोध्य तथा संदेहास्पद ऋणों के लिए प्रावधान कर लिया गया है।

4) एक लाइसेंसधारक की बकाया रॉयल्टी की राशि जो 448.39 लाख रुपये है, जिसमें पिछले वर्षों की 410.19 लाख रुपए की आय शामिल है, उसे चालू वर्ष में माना गया है, क्योंकि प्राप्ति की निश्चितता वर्ष के दौरान ही स्पष्ट हो सकी।

5) अन्य बकाया राशि 31-03-2018 को 3628.74 लाख रुपये थी। (पिछले वर्ष 444.92 लाख रुपये) उसे अच्छा और वसूली योग्य माना गया।

ग) सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा.लि. को ऋण:

सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा.लि. को पूर्व वर्षों में दिया गया कुल ऋण 1845.79 लाख रुपए है। उक्त कंपनी को संचित हानि हुई थी और उसके नेटवर्थ में काफी गिरावट आ गई थी। अत: इन लेखाओं में 1845.79 लाख रूपये की राशि के ऋण को अशोध्य और संदेहास्पद मानते हुए प्रावधान किया गया। अशोध्य और संदेहास्पद ऋण के प्रावधान करने के बाद 31-03-2018 तक कुल ऋण शून्य है (पिछले वर्ष- शून्य)।

घ) सीएआरसी प्राइवेट लि. को दिए ऋण पर उपार्जित ब्याज

सी-डॉट अल्काटेल लुसेंट रिसर्च सेंटर (सीएआरसी) प्रा.लि. को दिए गए ऋण पर 31-03-2018 तक उपार्जित ब्याज 598.58 लाख रुपये था (पूर्व वर्ष के समान)। वित्तीय वर्ष 2011-12 से, उक्त कम्पनी ने ब्याज की अदायगी नहीं की है। हालांकि, सेंटर ने उक्त कम्पनी के पास तुलन पत्र पर उपलब्ध नकदी को ध्यान में रखते हुए ऋण पर बकाया ब्याज के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है।

ड.) वसूली योग्य दावे

सेंटर द्वारा अन्य संगठनों के लिए लागत आधार पर पुनर्भुगतान के रूप में की गई परियोजनाओं के बारे में वसूली योग्य औसत राशि 2576.58 लाख रुपए थी (पिछले वर्ष 2532.54 लाख रुपए)। 'वसूली योग्य अशोध्य और संदेहास्पद दावों' के लिए प्रावधान करने के बाद 31-03-2018 को 598.17 लाख रुपये (पिछले वर्ष 554.13 लाख रुपए) की राशि वसूली के लिए अच्छी मानी गई। वसूलीयोग्य शेष 58.44 लाख रुपये की राशि (पिछले वर्ष 55.83 लाख रुपये थी), वसूली के लिए अच्छी मानी गई।

च) स्रोत पर काटा गया कर

विभिन्न वर्षों के संबंध में स्रोत पर काटा गया कर 31-03-2018 तक 2419.54 लाख रुपये (पिछले वर्ष 2026.40 लाख रुपए) वसूली के लिए अच्छा समझा गया।

5.0 आकस्मिक देयताएं

क) संघटकों और उपकरणों की प्राप्ति के लिए क्रय आदेशों के बारे में बैंकरों द्वारा जारी मियाद समाप्त न हुए साख-पत्रों की राशि 31-03-2018 को 164.40 लाख रुपए थी। (पिछले वर्ष 61.74 लाख रूपए)।

ख) लंबित कानूनी मामलों के कारण बकाया राशि 31-03-2018 तक 20.87 लाख रुपये है (पिछले वर्ष 20.87 लाख रुपए)।

भाग-ख : आय एवं व्यय लेखा

1.0 व्यय

क) कर्मचारी लाभ:

1) ग्रेच्यूटी -

वर्ष के अंत मौजूद वेतन और भत्तों के आधार पर ग्रेच्यूटी के लिए सेंटर की देयता का मूल्य बीमाकिंक मूल्यांकन के आधार पर 5920.26 लाख रुपये (पिछले वर्ष 5015.18 लाख रुपए) था। चालू वित्त वर्ष में आय एवं व्यय लेखे में ग्रेच्यूटी के लिए

697.75 लाख रुपये (पिछले वर्ष 361.01 लाख रुपए) के शुद्ध व्यय की पहचान की गई है। ग्रेच्यूटी ट्रस्ट, जिसका प्रबंधन कर्मचारियों सहित अलग न्यासी बोर्ड द्वारा किया जाता है, इस लेखे में देयता की अदायगी कर रहा है।

2) अर्जित अवकाश (ईएल)

सेंटर के नियमों के अनुसार, सेवारत तथा सेवानिवृत्त अथवा अन्यथा सेवा छोड़कर जाने वाले सभी कर्मचारी अर्जित अवकाश के नकदीकरण का लाभ सेवा निवृत्त या अन्यथा उठा सकते हैं। बीमाकिंक मूल्यांकन के आधार पर मूल्यांकित इस देयता के लिए 31-03-18 तक कर्मचारियों के अर्जित अवकाश के संदर्भ में 4835.55 लाख रुपये (पिछले वर्ष 4489.91 लाख रुपये) का प्रावधान है।

ख) बोनस

लागू नीति के अनुसार, सेंटर समय-समय पर योग्य कर्मचारियों को अनुग्रह राशि का भुगतान करता है। इस अनुग्रह राशि का भुगतान की प्राक्कलन के आधार पर हर साल खर्च समझा जाता है। वित्त वर्ष 2017-18 में बोनस के लिए किया गया प्राक्कलित खर्च 13.86 लाख रुपये है (पिछले वर्ष 30.72 लाख रुपये)।

ग) संघटकों का उपभोग

1) लगातार अपनाई जा रही व्यवस्था के अनुसार वर्ष के दौरान शुरूआती स्टॉक तथा की गई खरीद के मूल्य में से समापन स्टॉक को घटाने के बाद हासिल मूल्य को उपभोग का मूल्य माना जाता है।

2) तदनुसार, वर्ष के दौरान उपभुक्त संघटकों का मूल्य 3295.77 लाख रूपए था (पिछले वर्ष 4145.16 लाख रुपए)।

घ) मरम्मत एवं अनुरक्षण -अन्य

इसमें बेंगलुरु के परिसर में चालू वित्त वर्ष के लिए 70.09 लाख रुपये का सिविल कार्य व्यय (पिछले साल-160.88 लाख रुपये) शामिल है।

ड़) विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव:-

1) विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार के लेन-देन में 9.22 लाख रुपए का लाभ हुआ (पिछले वर्ष में हानि -2.19 लाख रुपए) ।

2) ऐसे उतार-चढ़ाव के लिए लाभ और हानि अनुसूची क्रमश: 9 और 12 में विशिष्ट रूप से प्रदर्शित की गई है।

च) पिछले वर्षों से संबंधित समायोजन (निवल):-

इस शीर्षक के अंतर्गत आय (-) 4.20 लाख रुपये (पिछले वर्ष 1.48 रुपए) और व्यय (-) 93.84 लाख रुपये (पिछले वर्ष (-) 65.68 लाख रुपए) शामिल है।

भाग- ग : सामान्य

पिछले वर्ष के आंकडों को जहां-जहां जरूरी था फिर से एकत्रित या पुन: व्यवस्थित किया गया है।

हस्ताक्षरित
जी. मुकुंदन
मुख्य वित्त अधिकारी

हस्ताक्षरित
विपिन त्यागी
कार्यकारी निदेशक

परिवर्णी शब्द

4 जी: फोर्थ जेनरेशन (वायरलेस कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी)

5जी: फिफ्थ जेनरेशन (वायरलेस कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी)

एडीएन: एप्लीकेशन डेडिकेटेड नोड

अनुराग: एडवांस्ड न्यूमेरिकल रिसर्च एंड एनालिसिज ग्रुप

एएसएन: एप्लीकेशन सर्विस नोड

एटी: एक्सेप्टेंस टेस्टिंग

बीबीडब्ल्यूटी: ब्रॉडबैंड वायरलैस टर्मिनल

बीएसएस: बेस स्टेशन सबसिस्टम

सी-जीईएमएस: सी-डॉट जीपॉन ईएमएस सिमुलेटर

सीएएस: कंडिशनल एक्सेस सिस्टम

सीडीआर: कॉल डिटेल रिकॉर्ड

सीजीरैन: सी-डॉट जीएसएम रेडियो एक्सेस नेटवर्क

सीआईएसटीबी: सी-डॉट इंटरऑपरेबल सेट-टॉप बॉक्स

सीएमएमआई: केपेबिलिटी मैच्योरिटी मॉडल-इंटिग्रेटिड, शेयर्ड जीएसएम रेडियो एक्सेस नेटवर्क

सीपीई : कस्टमर प्रिमिसिज इक्विपमेंट

सीएससी : कॉमन सर्विस सेंटर

डीईएएल: डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन्स लेब्रटॉरी

डीओटी- दूरसंचार विभाग

डीआर: डिज़ास्टर रिकवरी

डीटीएच : डायरेक्ट टू-होम

ईसीएससीएफ: इमेंर्जेंसी कॉल सेशन कंट्रोल फंक्शन

ईएमएस: एलिमेंट मैनेजमेंट सिस्टम

ईनोडबी: इवॉल्व्ड नोड बी

ईपीसी : इवॉल्व्ड पैकेट कोर

एफपीजीए: फील्ड प्रोग्रामेबल गेज एरे

एफटीटीएच: फाइबर-टू-द होम

जीआईएस : जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम

जीपीएसयू : ग्रीन पॉवर सप्लाई यूनिट

आईसीटी: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

आईईईई: इंस्टीट्यूट ऑफ इलैक्ट्रीकल एंड इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स

आईआईटी: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान

आईएम: इंटेलिजेंस मैनेजर

आईएमसीएल: इंडसइंड मीडिया एंड कम्युनिकेशन्स लिमिटेड

आईएमएस: इंटरनेट प्रोटोकॉल (बेस्ड) मल्टीमीडिया सबसिस्टम

आईएन: इन्फ्रास्ट्रक्चर नोड

आईआरआई: इंटरसेप्शन-रिलेटिड इंफॉर्मेशन

आईटीआई: इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज

एलएएन: लोकल एरिया नेटवर्क

एलईए: लॉग एंड इवेंट मैनेजर

एलएसए: लाइसेंस्ड सर्विस एरिया

एलटीई-ए: लांग टर्म इवोल्यूशन-एडवांस्ड

एलटीई: लांग टर्म इवोल्यूशन (ऑफ यूनिवर्सल टेरिशनल रेडियो एक्सेस नेटवर्क)

एम2एम: मशीन-टू-मशीन

एमएएन: मेट्रोपोलिटन एरिया नेटवर्क

मैक्स-एनजी: मेन ऑटोमैटिक एक्सचेंज-नेक्स्ट जेनरेशन

मैक्स: मेन ऑटोमैटिक एक्सचेंज

एमएचए: गृह मंत्रालय

एमएन: मिडिल नोड

एमपीएलएस: मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग

एनसीआर: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

एनडीएमए: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

एनएफवी: नेटवर्क फंक्शन वर्चुअलाइजेशन

एनआईसी: राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र

एनओसी: नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर

एनओएफएन: नेशनल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क

ओसीएन: आप्टिकल कोर नेटवर्क

ओएसआई: ओपन सोर्स इंटेलिजेंस

ओटीएन: ऑप्टिकल ट्रंक नेटवर्क

पीसीबी: प्रिंटेड सर्किट बोर्ड

पीसीआई: प्राइम कस्टोडियन ऑफ इंटरसेप्शन

पीसीटी: पेटेंट कोऑपरेशन ट्रीटी

पीडीओ: पब्लिक डेटा ऑफिस

पीएमएच: प्रधानमंत्री आवास

पीएमओ: प्रधानमंत्री कार्यालय

पीएसएपी: पब्लिक सेफ्टी आंसरिंग प्वाइंट

पीएसयू: सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम

रैक्स: रूरल ऑटोमेटिक एक्सचेंज एक्सेस नेटवर्क

आरएफ: रेडियो फ्रीक्वेंसी

एसडीएन: सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड नेटवर्किंग

एसटीबी: सेट-टॉप बॉक्स

एसटीबीआर: स्टेकेबल टेराबिट राउटर

टीबीपीएस: टेराबिट्स प्रति सेकेंड

टीसीआईएल: टेलीकम्युनिकेशन्स कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड

टीडीएमए: टाइम डिविजन मल्टीपल एक्सेस

टीईसी: टेलीकम्युनिकेशन्स इंजीनियरिंग सेंटर

टीओआर: टॉप-ऑफ-रेक

टीआरएआई: भारतीय दूरसंचार प्राधिकरण - ट्राई

वीएएस: मूल्य-वर्धित सेवा

वीओआईपी: वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल

डब्ल्यूडीएएन: वेवलेंथ-बेस्ड डिस्ट्रीब्यूशन एंड एग्रीगेशन नेटवर्क

विद्वान: वायरलैस डेटा कनेक्टीविटी एट होम यूसिंग वायरलाइन एक्सेस नेटवर्क

वाईफाई: वायरलैस फीडेलिटी

एक्सजीपॉन: 10 जीपीबीएस पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क (टीडीएम/टीडीएमए-बेस्ड)

THE INTERNET OF EVERYTHING (IOET-2017)

IOT AND SECURITY

INDUSTRY DAY
GOLD SPONSOR

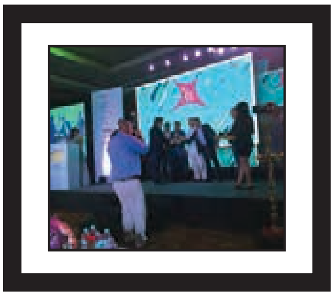

हमारे बैंकर

केनरा बैंक
सी-डॉट परिसर, महरौली
नई दिल्ली-110 030

सिंडिकेट बैंक
कार्पोरेट वित्त शाखा
6, सरोजिनी हाऊस, भगवान दास रोड
नई दिल्ली-110 001

केनरा बैंक
इलैक्ट्रॉनिक्स सिटी, फेज़ 1, होसूर रोड
बेंगलुरू-560 100

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
सोना टावर्स, 71/1, मिल्लर्स रोड
बेंगलुरू-560 100

हमारे कानूनी लेखाकार

जे. सी. भल्ला एण्ड कम्पनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
प्रधान कार्यालयः
बी-17, महारानी बाग
नई दिल्ली-110 065

हमारे कार्यालय

सी-डॉट
सी-डॉट परिसर
महरौली, नई दिल्ली-110 030

सी-डॉट
इलैक्ट्रॉनिक्स सिटी, फेज़ 1
होसूर रोड, बेंगलुरू-560 100

सी-डॉट
सी-डॉट फील्ड समर्थन केंद्र,
पी-108, ग्राउंड फ्लोर, लेक टाउन, ब्लॉक-ए
कोलकाता-700 089

सी-डॉट
C-DOT

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स

सी-डॉट परिसर, महरौली, नई दिल्ली-110 030

इलैक्ट्रॉनिक्स सिटी, फेज़-1, होसूर रोड़, बेंगलुरू-560100

www.cdot.in

Designed and printed by: Pehachan Advtg. & Mktg. Pvt. Ltd.
www.pehachan.in